संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 93
पृष्ठ 8
शनिवार
20 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सर्दी में बॉलीवुड एक्ट्रेसेस से साड़ी....

विचार- मेसी से सीखें अपनी मातृभाषा...

खेल- टी20 विश्व कप के लिए आज को...

जांच होने दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा : योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव पर तीखा तंज कसा। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के प्रारंभ से पहले शुक्रवार को मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति जानता है कि प्रदेश के लगभग हर माफिया के संबंध समाजवादी पार्टी से रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आए हैं कि एसटीएफ या उत्तर प्रदेश पुलिस की कार्रवाई में पकड़े गए कुछ अभियुक्तों के संबंध समाजवादी पार्टी से रहे हैं। समाजवादी पार्टी, जो अपनी कार्यप्रणाली के लिए पहले से ही बदनाम और कुख्यात रही है, इस पूरे मामले में भी अपनी संलिप्तता उजागर होते हुए देखेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस विषय में पूरी रिपोर्ट आने के बाद ही अंतिम रूप से कुछ कहा जा सकता है, लेकिन इतना अवश्य कहा जा सकता है कि सपा प्रमुख द्वारा जो बातें कही जा रही हैं, उनकी

स्थिति वही है, जैसा कि इस पंक्ति में कहा गया हैरू "यही कसूर मैं बार–बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करता रहा।" यानी, जिन माफियाओं के साथ उनकी तस्वीरें सामने आ रही हैं, स्वाभाविक रूप से अवैध लेन–देन में उनकी संलिप्तता कहीं न कहीं सामने आएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जांच होने दीजिए, दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा।कोडीन मामले पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोडीन फॉस्फेट एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत आने वाली एक औषधि है। इसका उपयोग कोडीन–युक्त कफ सिरप के निर्माण में किया जाता है, जो गंभीर खांसी के उपचार में प्रयुक्त होता है। इसका कोटा और आवंटन सेंट्रल नारकोटिक्स ब्यूरो द्वारा केवल अधिकृत औषधि निर्माण के लिए ही किया जाता है। उन्होंने कहा कि यह कफ सिरप कई स्थानों पर नशीले पदार्थ के रूप में दुरुपयोग किया जा रहा था। अवैध तस्करी की शिकायतें मिलने के बाद उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश पुलिस और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन एफएसडीए के नेतृत्व में इसे एनडीपीएस अधिनियम के अंतर्गत मानते हुए कार्रवाई प्रारंभ की गई। कार्रवाई एफएसडीए, यूपी पुलिस और एसटीएफ द्वारा

कोडीन मामले पर मुख्यमंत्री का सपा पर करारा प्रहार,बोले– सपा से जुड़े लोगों की तस्वीर है आरोपी के साथ

की जा रही है, जिसमें अब तक बड़े पैमाने पर अवैध तस्करी के मामलों का खुलासा हुआ है और व्यापक गिरफ्तारियां भी की गई हैं। मामले की निगरानी एक राज्य–स्तरीय एसआईटी कर रही है, जिसमें यूपी पुलिस और एफएसडीए के अधिकारी शामिल हैं। अवैध तस्करी से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं, जैसे धन कहां–कहां गया, इन सभी तथ्यों का भी खुलासा होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि शीतकालीन सत्र आज से प्रारंभ होकर 24 दिसंबर तक चलेगा। सत्र में भाग लेने के लिए आ रहे सदस्यों का स्वागत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस सत्र के दौरान सदस्य जनता से जुड़े मुद्दों को उठाएंगे, उत्तर प्रदेश के विकास से संबंधित विधायी कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा तथा विभिन्न विभागों की अनुपूरक मांगों पर भी चर्चा होगी। इस अवसर पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एक महत्वपूर्ण चर्चा आयोजित की जाएगी तथा इसके रचयिता बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के प्रति आभार व्यक्त किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की स्थापना–तिथि और 'वंदे मातरम' को संविधान के अनुसार मान्यता दिए जाने की अधिसूचना की तिथि एक ही है, ऐसे में इस विषय पर विधानमंडल में चर्चा अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। विधानसभा में आज संभवतः कोई कार्रवाई नहीं हो पाएगी, क्योंकि विधानसभा के एक वर्तमान सदस्य के आकस्मिक निधन के कारण शोक प्रस्ताव रखा जाएगा। यदि विधान परिषद में कोई मुद्दा उठता है तो नेता सदन इस पर सरकार का पक्ष रखेंगे। यदि बाहर भी कोई इस विषय पर प्रश्न उठाएगा तो सरकार की ओर से समुचित उत्तर दिया जाएगा। सर्वदलीय बैठक में यह स्पष्ट किया गया है कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा कराने को पूरी तरह तैयार है। सरकार विकास से जुड़े विषयों पर सकारात्मक दृष्टिकोण रखती है और विधानसभा सत्र के सुचारु संचालन के लिए सभी दलों के सहयोग की अपेक्षा करती है। देश का सबसे बड़ा विधानमंडल लगातार सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। जब लोकतंत्र से जुड़े पवित्र स्थल चर्चा और परिचर्चा के केंद्र बनते हैं, जनप्रतिनिधि जनविश्वास पर खरा उतरता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि सरकार की इच्छा थी कि सत्र अधिक दिनों तक चले, लेकिन वर्तमान में अधिकांश जनप्रतिनिधि मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम से जुड़े कार्यों में व्यस्त हैं, जो लोकतंत्र की शुचिता और पारदर्शिता के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी कारण आवश्यक विधायी कार्यों, अनुपूरक मांगों और 'वंदे मातरम' पर चर्चा के लिए सत्र अवधि आज से 24 दिसंबर तक निर्धारित की गई है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि यह सत्र उत्तर प्रदेश विधानमंडल और राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने गोवा मुक्ति दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गोवा मुक्ति दिवस पर स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित की और इसे भारत की राष्ट्रीय यात्रा का एक महत्वपूर्ण अध्याय बताया। श्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ष्गोवा मुक्ति दिवस हमें हमारी राष्ट्रीय यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय की याद दिलाता है। हम उन लोगों के

अदम्य साहस को याद करते हैं जिन्होंने अन्याय को स्वीकार करने से इनकार कर दिया और साहस और दृढ़ विश्वास के साथ स्वतंत्रता के लिए लड़ाई लड़ी।ष उन्होंने आगे कहा, उनके बलिदान हमें गोवा की चौतरफा प्रगति की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। इस अवसर पर राज्यपाल ने राजभवन का नाम लोक भवन किए जाने की घोषणा की। उन्होंने उन स्वतंत्रता सेनानियों और गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि दी जिन्होंने औपनिवेशिक शासन का विरोध किया और ऑपरेशन विजय के माध्यम से 19 दिसंबर 1961 को गोवा को आजादी दिलायी और 450 से अधिक वर्षों के पुर्तगाली प्रभुत्व को समाप्त किया। राज्यपाल ने गोवा की प्रगति पर प्रकाश डालते हुए शत प्रतिशत साक्षरता, ष्गोवा बियॉन्ड बीचेजष पहल के तहत स्थायी और समावेशी पर्यटन, और खेल और सांस्कृतिक विकास में प्रगति जैसी उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने क्लीन एनर्जी रोडमैप 2050 के माध्यम से हरित भविष्य के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता पर भी जोर दिया। उन्होंने गोवावासियों से एक समृद्ध, जीवंत और लचीले भविष्य की दिशा में काम करते हुए अतीत के बलिदानों का सम्मान करने का आग्रह किया और न्याय, एकता और प्रगति के प्रति राज्य के समर्पण की पुष्टि की।

लो.सभा और रा. सभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित, आठ विधेयक पारित

नयी दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई जिसके साथ ही संसद का शीतकालीन सत्र संपन्न हो गया। एक दिसम्बर से शुरू हुए इस सत्र के दौरान कुल 15 बैठकें हुई और इसमें मनरेगा का स्थान लेने वाले विकसित भारत जी राम जी विधेयक तथा परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के उदारीकरण से संबंधित शांति विधेयक सहित आठ विधेयक पारित किये गए। सत्र में चुनाव सुधारों और वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में दो विशेष चर्चाएं भी हुई। हालांकि सहमति बनने के बावजूद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में प्रदूषण की विकराल स्थिति पर चर्चा नहीं हो सकी। लोकसभा ने दो विधेयकों श्विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयकश और श्प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक 2025श को विस्तृत अध्ययन के लिए संयुक्त समिति को भेज दिया।

राहुल गांधी ने जर्मनी के पूर्व चांसलर से की मुलाकात, मैन्युफैक्चरिंग पर की अहम चर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जर्मनी के पूर्व चांसलर ओलाफ शॉल्ज़ के साथ दोपहर के भोजन पर चर्चा की। यह मुलाकात जर्मनी की उनकी पांच दिवसीय यात्रा के दौरान हुई। इससे पहले, मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जर्मनी के म्यूनिख स्थित बीएमडब्ल्यू वर्ल्ड म्यूजियम का दौरा किया, जहां उन्होंने जर्मन ऑटोमोबाइल निर्माता के साथ साझेदारी

में विकसित टीवीएस 450 सीसी मोटरसाइकिल सहित भारतीय इंजीनियरिंग की उपलब्धियों को देखकर प्रशंसा व्यक्त की। यात्रा के दौरान, उन्होंने बीएमडब्ल्यू द्वारा निर्मित विभिन्न कारों के प्रदर्शन को देखते हुए आगंतुकों से बातचीत की। राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान कहा कि भारत को उत्पादन शुरू करने की जरूरत है; उत्पादन किसी भी देश की सफलता की कुंजी है। हमारा विनिर्माण क्षेत्र घट रहा है; वास्तव में इसे बढ़ना चाहिए। पार्टी द्वारा साझा किए गए वीडियो में गांधी ने कहा, हम बीएमडब्ल्यू फैक्ट्री गए थे – शानदार अनुभव रहा – और मुझे यह देखकर विशेष रूप से खुशी हुई कि उनके पास 450 सीसी की बाइक, टीवीएस है, और मुझे लगता है कि यह अच्छा प्रदर्शन करेगी। यह देखकर अच्छा लगा कि यहां भारतीय ध्वज लहरा रहा है। इस बीच, जर्मनी की अपनी पांच दिवसीय यात्रा के दौरान बर्लिन हवाई अड्डे पर पहुंचने पर राहुल गांधी का भारतीय प्रवासी कांग्रेस (आईओसी) द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिये तैयार सिविल सेवाओं के निर्माण की कुंजी हैं : राष्ट्रपति

हैदराबाद, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को भारत के प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और राज्य लोक सेवा आयोगों (पीएससी) की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए सिविल सेवा भर्ती प्रकिया में ईमानदारी, पारदर्शिता और तकनीकी तैयारी पर अधिक जोर देने का आह्वान किया। राष्ट्रपति ने यहां रामोजी फिल्म सिटी में लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि एक ऐसे मंच में भाग लेना सौभाग्य की बात है जो देश भर से यूपीएससी और राज्य लोक सेवा आयोगों के प्रमुखों को एक साथ लाता है। राष्ट्रपति ने भारत में लोक सेवा आयोगों के लंबे और प्रतिष्ठित इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय लोक सेवा आयोग की स्थापना एक अक्टूबर, 1926 को हुई थी और बाद में भारत सरकार अधिनियम, 1935 के तहत संघीय और प्रांतीय लोक सेवा आयोगों का प्रावधान किया गया। 26 जनवरी, 1950 को भारत के गणतंत्र बनने के बाद, संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों ने अपनी वर्तमान संवैधानिक भूमिकाएँ ग्रहण कीं। केन्द्रीय और राज्य लोक सेवा आयोगों के योगदान का उल्लेख करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि लोक सेवा आयोगों ने सरकारी प्रशासन में समानता, निष्पक्षता और व्यावसायिकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इन संस्थानों के माध्यम से चयनित सिविल सेवाएँ भारत के आर्थिक विकास, राजनीतिक स्थिरता और प्रशासन के लिए बहुत अहम रही हैं, जिससे संघ लोक सेवा आयोग देश के सबसे भरोसेमंद संस्थानों में से एक बन गया है। श्रीमती मुर्मु ने इस बात पर जोर दिया कि कौशल

की कमी को प्रशिक्षण के माध्यम से दूर किया जा सकता है, लेकिन सत्यनिष्ठा की कमी ऐसी चुनौतियाँ पैदा करती है जिन पर काबू पाना मुश्किल है तो ऐसे में भर्ती में ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोक सेवा आयोगों को उम्मीदवारों के बीच नैतिक अभिविन्यास और संवेदनशीलता का आकलन करने के लिए बेहतर प्रक्रिया विकसित करनी चाहिए, विशेष रूप से समाज के हाशिए पर रह रहे और कमजोर वर्गों के प्रति। राष्ट्रपति ने भविष्य की चुनौतियों पर जोर देते हुए लोक सेवा आयोगों से उभरते तकनीकी मुद्दों का अनुमान लगाने, पारदर्शिता को मजबूत करने और भर्ती प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सर्वोत्तम विधियों, विशेष रूप से प्रौद्योगिकी अपनाने, कानूनी ढांचे और प्रक्रिया सुधारों को साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। उन्होंने भारत के तेजी से आर्थिक विकास और आने वाले दशकों में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की उसकी महत्वाकांक्षा का जिक्र करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग भविष्य के लिए तैयार ऐसी सिविल सेवा का पोषण करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देना जारी रखेंगे जो स्थिरता को रचनात्मकता के साथ और निरंतरता को आधुनिकीकरण के साथ जोड़ती है। श्रीमती मुर्मु ने संघ और राज्य लोक सेवा आयोगों को उनके प्रयासों में लगातार सफलता मिलने की शुभकामनाएं दीं।

राम मुसलमान थे ? टीएमसी विधायक के बयान से मचा बवाल

भाजपा बोली- हिंदू धर्म का घोर अपमान

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) विधायक मदन मित्रा के भाषण का एक वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस वीडियो में उन्होंने दावा किया है कि भगवान राम मुसलमान थे। भाजपा ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे हिंदू धर्म का अपमान बताया है। बंगाली में दिए गए अपने भाषण में मित्रा ने एक हिंदू श्लोक का पाठ किया और फिर भाजपा द्वारा हिंदू धर्म की व्याख्या पर हमला किया। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी का उद्देश्य हिंदू धर्म को निशाना बनाना नहीं था, बल्कि भाजपा नेतृत्व की हिंदू धर्म की समझ पर सवाल उठाना था। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने मित्रा की टिप्पणियों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि टीएमसी विधायक मदन मित्रा का यह घिनौना दावा कि 'प्रभु श्री राम मुसलमान थे, हिंदू नहीं' हिंदू धर्म का जानबूझकर अपमान है। टीएमसी का यही हाल हो गया हैरू हिंदू आस्था पर रोजाना हमले करना। एक कथित व्यक्तिगत घटना का जिक्र करते हुए, कमरहटी विधायक ने बताया कि उन्होंने एक बार दिल्ली में भाजपा के एक वरिष्ठ नेता को चुनौती दी थी कि वे साबित करें कि भगवान राम हिंदू थे। मित्रा ने कहा, "मैंने उनसे कहा, साबित करके दिखाओ कि राम हिंदू हैं। मुझे राम का उपनाम बताओ।" उन्होंने आगे बताया कि वहां मौजूद कोई भी उनके सवाल का जवाब नहीं दे सका।

शाह ने समुद्री पोत और बंदरगाहों की सुरक्षा के लिए विशेष संस्था के गठन पर किया विचार विमर्श

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश में समुद्री पोतों और बंदरगाह सुविधाओं की सुरक्षा के लिए नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो की तर्ज पर एक विशेष संस्था, ब्यूरो ऑफ़ पोर्ट सिक्योरिटी (बीओपीएस) के गठन पर शुक्रवार को विशेष बैठक में गहन विचार विमर्श किया। बैठक में बंदरगाह, जहाजरानी तथा जलमार्ग मंत्री और नागरिक उड्डयन मंत्री भी शामिल हुए। श्री शाह ने देश भर में मजबूत बंदरगाह सुरक्षा ढांचा स्थापित करने की जरूरत बताते हुए निर्देश दिया कि सुरक्षा उपायों को कमियों, व्यापार क्षमता, स्थान और अन्य संबंधित मापदंडों को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाना चाहिए। ब्यूरो ऑफ़ पोर्ट सिक्योरिटी का गठन नए मर्चेंट शिपिंग एक्ट 2025 की धारा 13 के प्रावधानों के तहत एक वैधानिक निकाय के रूप में किया जाएगा।

प्रयागराज में कड़ाके की ठंड, पारा 11 डिग्री पर पहुंचा

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में गुरुवार से मौसम ने पूरी तरह करवट ले ली है। कड़ाके की ठंड के चलते लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। शहर का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गुरुवार को पूरे दिन धूप नहीं निकली और पूरा शहर घने कोहरे की चादर में ढका नजर आया। शुक्रवार को भी ठंड का असर बना हुआ है, हालांकि आज कोहरे से कुछ राहत मिली है। वहीं, देर रात जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा शहर के रैन बसेरों का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने वहां मौजूद व्यवस्थाओं का जायजा लिया और जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। संगम क्षेत्र भी घने कोहरे की चपेट में नजर आया। इसके बावजूद दूसरे शहरों से आने वाले श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचते रहे। कुछ लोग अस्थि कलश विसर्जन के लिए संगम आए थे। चित्रकूट से आए रोहित गुप्ता और चंद्रप्रकाश ने बताया कि कड़ाके की ठंड के बावजूद उन्होंने संगम आने का प्लान बनाया था। कोहरे के कारण थोड़ी परेशानी जरूर हुई, लेकिन नाव के जरिए संगम पहुंचकर गंगा में अस्थि कलश का विसर्जन किया। उधर, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में कक्षा 12वीं तक के स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव कर दिया गया है। अब सभी स्कूल सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक संचालित होंगे। वहीं, घने कोहरे के चलते करीब आधा दर्जन ट्रेनें 4 से 8 घंटे की देरी से चल रही हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार व जिला विद्यालय निरीक्षक पीएन सिंह की ओर से गुरुवार शाम को आदेश जारी किया गया। संचालित परिषदीय प्राथमिक विद्यालय, उच्च प्राथमिक, सीबीएसई, आईसीएसई समेत सभी बोर्डों के स्कूल अब सुबह 10 बजे से तीन बजे तक संचालित होंगे। अधिकारियों की ओर से सभी स्कूल संचालकों व प्रिंसिपलों को निर्देशित किया गया कि शुक्रवार से ही इसका कड़ाई से अनुपालन कराया जाए।

माघ मेला 2026 की हो रही भव्य तैयारी, साधु–संतों का आगमन शुरू

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में माघ मेला 2026 की तैयारियाँ अब तेजी से जमीन पर उतरती दिखाई देने लगी हैं। संगम की पवित्र रेती पर एक बार फिर साधु–संतों और कल्पवासियों की आहट सुनाई देने लगी है। धीरे–धीरे टेंट सिटी आकार ले रही है और माघ मेले का स्वरूप महाकुंभ की भव्यता की ओर बढ़ता नजर आ रहा है। इस बार माघ मेला को महाकुंभ की तरह भव्य और सुव्यवस्थित रूप देने की योजना है, जिससे देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को दिव्य और भव्य अनुभव मिल सके।

प्रयागराज में आज से 'बज्म ए विरासत' का आगाज

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में गुरुवार से 'बज्म ए विरासत' का भव्य आगाज हो गया। जाने–माने फिल्म निर्देशक, निर्माता, अभिनेता और लेखक तिग्मांशु धूलिया के नेतृत्व में इस आयोजन की दूसरी महफिल शुरू हुई है। 19 से 21 दिसंबर तक चलने वाला यह आयोजन शहर की समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को सामने लाने का सशक्त प्रयास है। इस मंच पर सिनेमा, क्रिकेट और संगीत का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। तिग्मांशु धूलिया ने बताया– 'बज्म ए विरासत' के माध्यम से प्रयागराज की परंपराओं, किस्सों और रचनात्मक विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। इस आयोजन से स्थानीय कलाकारों और साहित्यकारों को देश के दिग्गज रचनाकारों के साथ मंच साझा करने का अवसर भी मिलेगा। तीन दिवसीय आयोजन का मंच सिविल लाइंस स्थित बिशप जॉनसन स्कूल में सजाया गया है। गुरुवार 19 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। पहले दिन 'दास्तान–ए–सरफरोशी' में हिमांशु बाजपेई, वेदांत भारद्वाज और अजय टिपानिया दास्तान गोई प्रस्तुत करेंगे। इसके बाद 'प्रयागराज की लंतरानी' में पुराने इलाहाबाद के किस्से और यादें साझा की जाएंगी। दिन का समापन मुशायरा और कवि सम्मेलन के साथ होगा। 20 दिसंबर को दूसरे दिन की शुरुआत इंडियन फ्यूजन संगीत से होगी। इसके बाद पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ, आशीष जैदी और प्रवीन कुमार क्रिकेट पर चर्चा करेंगे। 'स्टार्स ऑफ आवर सिटी' कार्यक्रम में अभिनेता आदित्य श्रीवास्तव, फैसल मलिक, दीप राज राणा, शाश्वत सिंह और निधि सिंह शामिल होंगे। वहीं सिनेमा पर परिचर्चा में आशुतोष गोवारिकर, लीना यादव, अनुराग बासु और अनुभव सिन्हा अपने अनुभव साझा करेंगे। दूसरे दिन का समापन मशहूर बैंड इंडियन ओशन के लाइव कंसर्ट के साथ होगा। 21 दिसंबर को कार्यक्रम की शुरुआत 'डिस्कशन ऑन निराला' से होगी। इसके बाद गजल रेसिटल और इलाहाबाद के साहित्य पर केंद्रित परिचर्चा आयोजित की जाएगी। अंतिम दिन फिल्मी सितारे नीना गुप्ता, गजराज राव, जयदीप अहलावत, विनीत कुमार और मुकेश छाबरा दर्शकों से सीधे संवाद करेंगे। कार्यक्रम का रंगारंग समापन एक प्रसिद्ध बैंड की प्रस्तुति के साथ किया जाएगा। तिग्मांशु धूलिया ने कहा कि 'बज्म ए विरासत' प्रयागराज की जीवंत संस्कृति, साहित्य और कला को एक मंच पर लाकर उसे जीवित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

उम्रकैद के बाद फरार मौलाना की तलाश

प्रयागराज (संवाददाता)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उम्रकैद की सजा पाने के बाद जमानत पर रिहा हुए और फरार चल रहे मौलाना खुर्शीद जमाल कादरी की तलाश को लेकर केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय से जवाब तलब किया है। अदालत ने पूछा है कि कादरी को खोजकर अदालत में पेश कराने की जिम्मेदारी किस केंद्रीय एजेंसी को सौंपी जाएगी। मामले में अगली सुनवाई शुक्रवार, 19 दिसंबर को होगी। राज्य पुलिस की विफलता के बाद हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार का रुख किया है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति संजय कुमार की खंडपीठ ने भारत सरकार के डिप्टी सॉलिसिटर जनरल एसके पाल को निर्देश दिया है कि वे 24 घंटे के भीतर गृह मंत्रालय के सचिव से निर्देश लेकर अदालत को अवगत कराएं कि कादरी की तलाश के लिए किस एजेंसी को लगाया जाएगा। खंडपीठ ने टिप्पणी की कि राज्य पुलिस अब तक मौलाना खुर्शीद जमाल कादरी को तलाशने में असफल रही है, ऐसे में केंद्रीय एजेंसियों को इस कार्य में शामिल किया जाना आवश्यक हो गया है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अभियुक्त की मृत्यु या देश छोड़कर भाग जाने की स्थिति को छोड़कर, हर हाल में उसे अदालत में पेश किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि मौलाना खुर्शीद जमाल कादरी ही इस मामले में याची है। उसने वर्ष 1984 में इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। धूमनगंज थाने में दर्ज हत्या और डकैती के मामले में ट्रायल कोर्ट ने इसी वर्ष उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। सजा के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील के दौरान उसे जमानत मिली, जिसके बाद से वह फरार हो गया। हाईकोर्ट के आदेश पर पुलिस द्वारा उसके खिलाफ गैर–जमानती वारंट जारी किया गया था। पुलिस की रिपोर्ट के अनुसार, याची प्रयागराज छोड़कर जा चुका है और उसके दोनों जमानतदारों की भी मृत्यु हो चुकी है।

कोडीन सिरप कांड- दुबई में बैठे सरगना को बड़ा झटका

हाईकोर्ट का गिरफ्तारी पर रोक लगाने से इनकार, 22 याचिकाएं खारिज

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी में कोडीन कफ सिरप की तस्करी के मामले में सरगना शुभम जायसवाल समेत सभी आरोपियों को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस अचल सचदेव की डिवीजन बेंच ने सोमवार को FIR रद्द करने और गिरफ्तारी पर रोक की मांग वाली 22 याचिकाओं को खारिज कर दिया है। यानी अब किसी भी समय पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी कर सकती है।

25 हजार का इनामी शुभम जायसवाल दुबई में छिपा हुआ है। इस अवैध कारोबार के नेटवर्क में शामिल 6 बड़े चेहरे और 68 अन्य गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। 2 दिसंबर को मामले में ईडी की एंट्री हुई। मनी लॉन्ड्रिंग एंगल पर जांच चल रही है। एजेंसी के निशाने पर 50 आरोपी हैं।

एक हफ्ते पहले ईडी ने लखनऊ, रांची और अहमदाबाद समेत देशभर में सिंडिकेट से जुड़े आरोपियों के 25 ठिकानों पर छापेमारी की थी। STF के बर्खास्त सिपाही आलोक प्रताप सिंह की लखनऊ की कोठी, सहारनपुर के राणा बंधु विभोर और विशाल के ठिकानों, शुभम जायसवाल और उसके सहयोगियों के घर खंगाले थे।

कोर्ट ने NDPS एक्ट के तहत मुकदमे को सही माना

हाईकोर्ट ने कोडिन कफ सिरप मामले में आरोपियों पर NDPS एक्ट के तहत मुकदमा चलाने को सही बताया है।

कोर्ट ने अभिषेक शर्मा, विनोद अग्रवाल, प्रतीक मिश्रा, विशाल कुमार जायसवाल, भोला प्रसाद, नीरज सेठ, शुभम जायसवाल, पप्पन यादव, मो. सलमान अंसारी, अनुप्रिया सिंह, अंकित कुमार श्रीवास्तव, दिलीप कुमार उमर, मंजू शर्मा, आसिफ मोहम्मद, अरूण सोनकर उर्फ अर्जुन सोनकर, खुशबू गोयल, धर्मेंद्र कुमार जायसवाल, अक्षत यादव और अजित यादव की रिट पिटीशन को खारिज किया है।

जौनपुर में 3 फर्म संचालकों के खिलाफ लुकआउट नोटिस

जौनपुर पुलिस ने कोडीनयुक्त कफ सिरप के मामले में तीन फर्म संचालकों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं, जो जांच में नाम सामने आने के बाद से फरार हैं। वहीं शुभम जायसवाल के पिता भोला जायसवाल को 21 दिसंबर को कोर्ट में पेश किया जाएगा। जौनपुर पुलिस 14 दिन की रिमांड मांगेगी।

प्रदेश में सबसे पहली FIR सोनभद्र जिले में रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में 18 अक्टूबर को दर्ज हुई थी। सोनभद्र एसपी अभिषेक वर्मा के मुताबिक, दीपावली का समय था। वाहनों की चेकिंग पर सख्ती बरती जा रही थी। 18 अक्टूबर की रात में एक्साइज विभाग के साथ पुलिस की टीम वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

तभी एक ट्रक को रोका गया। उसमें नमकीन भरा था। ट्रक त्रिपुरा जा रहा था। ड्राइवर के पास नमकीन के ही बिल थे। नमकीन के बीच में कोडीन कफ सिरप की शीशियां छिपाकर रखी गई थीं। पुलिस ने 3.5 करोड़ की 1.19 लाख शीशियां जब्त कीं।

ट्रक ड्राइवर हेमंत पाल, बृजमोहन शिवहरे और एमपी के ट्रांसपोर्टर रामगोपाल धाकड़ की गिरफ्तारी हुई थी। त्योहार के चलते तीनों से बिना पूछताछ किए पुलिस ने जेल भेज दिया। त्योहार के बाद पुलिस ने ट्रक ड्राइवरों और ट्रांसपोर्टर से जेल में पूछताछ की।

तब पता चला कि कोडीन कफ सिरप की ये शीशियां गाजियाबाद में लोड हुई थीं। पुलिस ने मेरठ से सौरभ त्यागी को दबोचा। इसके बाद वसीम और आसिफ के बारे में पता चला। पूछताछ के आधार पर टीम ने एक ट्रक रांची में और 4 ट्रक गाजियाबाद से जब्त किए। यहां चूने और चावल की बोरियों के बीच कफ सिरप की शीशियां छिपाकर रखी गई थीं।

इसी पूछताछ में दुबई में छिपे आसिफ और वसीम के साथ शुभम जायसवाल का नाम पहली बार आया। इन तीनों के खिलाफ ही गाजियाबाद के नंदग्राम थाने में इसकी एफआईआर दर्ज है। ये भी पता चला कि शुभम के जरिए वसीम और आसिफ कोडीन युक्त सिरप की शीशियां बांग्लादेश तक पहुंचाते हैं।

अंतरराज्यीय गिरोह के सरगना शुभम जायसवाल और उसके पिता भोला जायसवाल सहित काशी के 28 दवा कारोबारियों के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया गया। आरोप है कि 100 करोड़ की 89 लाख शीशी प्रतिबंधित कफ सिरप खरीदी और बेची गई।

काशी के ही 93 मेडिकल स्टोर के नाम पर 84 लाख शीशी प्रतिबंधित कप सिरप खरीदी–बेची गई है। जिस मेडिकल स्टोर के नाम पर कारोबार दिखाया गया, उनमें से ज्यादातर मौके पर नहीं मिले। बाद में बंगाल और बांग्लादेश तक फैले इस अवैध कारोबार के नेटवर्क के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ।

जांच में सामने आया कि 9 बंद फर्मों को कफ सिरप बेचा गया। इनमें मेसर्स सृष्टि फार्मा, जीटी इंटरप्राइजेज, शिवम फार्मा, हर्ष फार्मा, डीएसए फार्मा, महाकाल मेडिकल स्टोर, निशांत फार्मा, वीपीएम. मेडिकल एजेंसी और श्री बालाजी मेडिकल के नाम शामिल हैं।

आयुक्त के मुताबिक, सिर्फ कोडीन युक्त सिरप की खरीद–बिक्री के लिए ही फर्जी फर्में बनाई गईं। सोनभद्र, जौनपुर, वाराणसी, गाजियाबाद, चंदौली समेत अन्य जनपदों में भी शुभम जायसवाल के खिलाफ केस दर्ज हैं।

किंगपिंग शुभम जायसवाल ने 14 दिन पहले वीडियो जारी कर खुद को बेगुनाह बताया था। कहा था– मैंने कोई जहरीली सिरप नहीं बेची। मेरी द्वारा बेची गई दवाओं से बच्चों की मौत नहीं हुई। मैं क्लियर करना चाहता हूं, ये सभी बातें झूठी हैं। फेंसिडिल (चैमदेलकपस) सिरप न तो जहरीली है, न ही प्रतिबंधित है। न ही इससे बच्चों की मौत हुई है।

सपा प्रमुख अखिलेश और अन्य नेताओं से मैं कहना चाहता हूं कि ऐसी राजनीति न करें। लोगों को भ्रम में न डालें। मैं सीएम योगी से हाथ जोड़कर कहता हूं कि मैं बेगुनाह हूं। मुझे फंसाया जा रहा है। सीएम जी, हमारी मदद कीजिए। आप जांच करा लीजिए। मेरे पास हर तरह के सबूत हैं।

पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार ने संभाला कार्यभार

प्रयागराज में उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग के नए अध्यक्ष बने, आयोग में की बैठक

प्रयागराज (संवाददाता)। यूपी के पूर्व डीजीपी प्रशांत कुमार आज शुक्रवार को प्रयागराज पहुंचे। उप्र शिक्षा सेवा चयन आयोग के नए अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कार्य भार भी ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने आयोग के सदस्यों व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर परिचय जाना और आयोग से संबंधित जानकारी ली।

दरअसल, इसके पहले चयन आयोग की अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय के इस्तीफे के बाद लगातार नए अध्यक्ष को लेकर तरह तरह चर्चाएं चल रही थीं। पै अफसर रहे प्रशांत कुमार को चयन आयोग का अध्यक्ष बनाया जाना लगभग तय भी माना जा रहा था। प्रशांत कुमार का कार्यकाल 3 साल का होगा। वे उच्च और माध्यमिक शिक्षा आयोग के अध्यक्ष होंगे। शिक्षा सेवा चयन आयोग के जरिए यूपी में माध्यमिक और उच्च शिक्षा के टीचरों की भर्ती होती है।

यूपी सरकार ने 2024 में उच्च और माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग का विलय कर दिया था। दोनों आयोग को मिलाकर यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग बनाया था। पहली अध्यक्ष प्रोफेसर कीर्ति पांडेय थीं। उन्होंने हाल ही में इस्तीफा दे दिया था। अब प्रशांत कुमार आयोग के दूसरे अध्यक्ष होंगे।

यूपी शिक्षा चयन आयोग में नए अध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया 10 दिसंबर को पूरी हुई है। आवेदन 21 अक्टूबर तक मांगे गए थे, लेकिन बाद में विज्ञापन में संशोधन किया गया और दोबारा आवेदन मांगे गए। रिटायर्ड पै प्रशांत कुमार ने भी आवेदन किया था।

पूर्व अध्यक्ष कीर्ति पांडेय के इस्तीफे के बाद आयोग के काम ठप पड़े थे। असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती का इंटरव्यू के साथ टीजीटी–पीजीटी भर्ती परीक्षाएं स्थगित कर दी गईं। उम्मीद है कि नए अध्यक्ष की औपचारिक नियुक्ति के साथ नई भर्तियों की प्रक्रिया शुरू हो जाएंगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रशांत कुमार अब तक 300 से ज्यादा एनकाउंटर कर चुके हैं। यूपी में खूंखार संजीव जीवा, कग्गा, मुकीम काला, सुशील मूंछ, अनिल दुजाना, सुंदर भाटी, विक्की त्यागी, साबिर गैंग का आतंक था। पै प्रशांत ने अपनी टीम के साथ मिलकर इन गैंग के कई अपराधियों का सफाया किया।

यूपी में कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशांत कुमार ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ियों पर फूल बरसवा दिया। इस मामले को लेकर उनकी खूब आलोचना हुई। उन्होंने कहा था– यह घटनाक्रम धार्मिक एंगल से न देखा जाए। स्वागत के लिए फूलों का इस्तेमाल होता है। प्रशासन हर धर्म का सम्मान करता है। फिर चाहे गुरुपर्व, ईद, बकरीद और जैन त्यौहार क्यों न हो। प्रशासन इन सब मौकों पर भी सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम करता है।

प्रयागराज के माघ मेले में अब नहीं भटकेंगे श्रद्धालु

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की राह इस बार पहले से कहीं अधिक आसान होने जा रही है। ट्रैफिक पुलिस ने एक व्यापक और वैज्ञानिक साइनेज प्लान तैयार किया है, जिसके जरिए श्रद्धालुओं को हर पल जरूरी जानकारी मिलेगी और वे भटकने से पूरी तरह बच सकेंगे। पूरे प्रयागराज जनपद में करीब 5000 साइनेज लगाने का निर्णय लिया गया है, ताकि जिले की सीमाओं से लेकर मेला क्षेत्र तक हर मोड़ पर स्पष्ट दिशा–निर्देश उपलब्ध कराए जा सकें।

इस बार लगाए जाने वाले सभी साइनेज कलर और सिंबल कोडेड होंगे। हर रूट के लिए एक अलग रंग निर्धारित किया गया है। इंटर डिस्ट्रिक्ट बाउंड्री से लेकर शहर में प्रवेश तक एक ही रूट पर एक ही रंग के साइनेज लगाए जाएंगे, जिससे श्रद्धालु आसानी से अपने रास्ते को पहचान सकें।

वहीं, स्थान विशेष के साइनेज पर पशु या पक्षी के विशेष सिंबल होंगे, जिनकी मदद से श्रद्धालु अपने पार्किंग स्थल, बस स्टेशन या रेलवे स्टेशन को आसानी से याद रख सकेंगे।

साइनेज लगाने का काम चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। सबसे पहले इंटर डिस्ट्रिक्ट बाउंड्री पर साइनेज लगाए जाएंगे। इसके बाद शहर में प्रवेश करने वाले मार्गों, फिर पार्किंग और होल्डिंग एरिया, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, प्रमुख चौराहों और अंत में मेला क्षेत्र में साइनेज लगाए जाएंगे। उद्देश्य यह है कि श्रद्धालुओं को यात्रा के हर पड़ाव पर समय पर और स्पष्ट जानकारी मिलती रहे। योजना के तहत हर पार्किंग स्थल और होल्डिंग एरिया में 7–7 साइनेज लगाए जाएंगे। इनमें से चार साइनेज पार्किंग परिसर के भीतर होंगे, जबकि तीन साइनेज पार्किंग तक पहुंचने वाले रास्तों पर 100, 200 और 300 मीटर की दूरी पर लगाए जाएंगे। इससे श्रद्धालुओं को लगातार यह जानकारी मिलती रहेगी कि वे पार्किंग से कितनी दूरी पर हैं। पार्किंग के अंदर लगाए जाने वाले साइनेज पर यह भी स्पष्ट रूप से दर्ज होगा कि वहां से बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, मेला क्षेत्र या स्नान घाट कितनी दूरी पर स्थित है। हर पार्किंग स्थल और होल्डिंग एरिया में लगाए जाने वाले एक विशेष साइनेज पर आला अधिकारियों से लेकर स्थानीय चौकी प्रभारी तक के मोबाइल नंबर अंकित होंगे। किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालु सीधे संपर्क कर तत्काल मदद प्राप्त कर सकेंगे। यह पूरा साइनेज प्लान एडीजी ट्रैफिक ए. सतीश गणेश के निर्देशन में एसपी माघ मेला नीरज पांडेय और एडीसीपी ट्रैफिक आईपीएस पुष्कर वर्मा द्वारा तैयार किया गया है।

डीएलएड में 1.38 लाख पंजीकरण, 98 हजार आवेदन

प्रयागराज (संवाददाता)। डीएलएड प्रशिक्षण–2025 के लिए अभ्यर्थियों में भारी रुचि देखने को मिली है। अब तक 1.38 लाख अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है, जबकि 98 हजार अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन शुल्क जमा कर दिया है। ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 18 दिसंबर तक चली। शुक्रवार, 19 दिसंबर से अभ्यर्थी अपने आवेदन पत्र का प्रिंट प्राप्त कर सकते हैं। सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी (पीएनपी), उत्तर प्रदेश अनिल भूषण चतुर्वेदी ने बताया कि अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन में भरी गई जानकारी में किसी भी प्रकार के संशोधन का अवसर नहीं दिया जाएगा। इसलिए आवेदन करते समय पूरी सावधानी बरतनी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में डीएलएड प्रशिक्षण की कुल 2.39 लाख सीटें उपलब्ध हैं। इनमें 10,600 सीटें जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डायट) में हैं, जबकि शेष सीटें निजी क्षेत्र के कॉलेजों में हैं। सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी ने स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश के बाहर के सभी अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी में ही माने जाएंगे। ऐसे अभ्यर्थियों को किसी भी प्रकार का आरक्षण देय नहीं होगा। इसके साथ ही राज्य सरकार से संबद्ध अल्पसंख्यक संस्थाओं में भी डीएलएड प्रशिक्षण शासनादेश के तहत ही कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि डीएलएड प्रशिक्षण से संबंधित शैक्षिक अर्हता, आयु सीमा, आवेदन शुल्क, चयन प्रक्रिया और अन्य सभी दिशा–निर्देश आधिकारिक वेबसाइट https://updeled-gov-in पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों से अपील की गई है कि आवेदन से पहले वेबसाइट पर जारी दिशा–निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, ताकि किसी प्रकार की त्रुटि न हो।

काहरा प्रधान प्रत्याशी ने विकास का रोडमैप बताया

प्रयागराज (संवाददाता)। सैदाबाद की ग्राम सभा काहरा के भावी प्रधान प्रत्याशी चाँद शाह ने अपने विकास कार्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने पर उनकी पहली प्राथमिकता अधूरे पड़े विकास कार्यों को पूरा करना होगा। चाँद शाह ने विशेष रूप से पानी निकासी और खड़ंजा (सड़क निर्माण) जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। उन्होंने बताया कि गांव में जलभराव एक बड़ी समस्या है, जिससे न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है, बल्कि उनके दैनिक जीवन में भी बाधा आती है। चाँद शाह के अनुसार, उचित जल निकासी प्रणाली से इस समस्या का समाधान संभव है। सड़कों की खराब स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि कई मार्गों की हालत जर्जर है, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होती है। उनका लक्ष्य गांव की सभी सड़कों का उचित निर्माण और मरम्मत कराना है ताकि लोग सुगमता से यात्रा कर सकें। चाँद शाह ने जोर देकर कहा कि उनकी प्राथमिकता गांव के लोगों की जरूरतों को समझना और उन्हें पूरा करना है। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से समर्थन की अपील की ताकि वे ग्राम सभा काहरा में विकास के नए आयाम स्थापित कर सकें।

हंडिया टोल प्लाजा ने कोहरे के लिए उठाए सुरक्षा कदम

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के हंडिया में घने कोहरे के कारण हंडिया टोल प्लाजा पर सुरक्षा और दृश्यता बढ़ाने के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं। कोखराज हंडिया एक्सप्रेसवे प्राइवेट लिमिटेड द्वारा यह पहल दुर्घटनाओं से बचने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है। टोल मैनेजर महेंद्र यादव ने बताया कि बेहतर दृश्यता के लिए टोल प्लाजा और उसके आसपास पेंटिंग तथा रोड मार्किंग (सड़क चिह्नों) का कार्य किया जा रहा है। इससे कोहरे में भी सड़क स्पष्ट दिखाई देगी। सुरक्षा उपायों के तहत वाहनों के पीछे रिफ्लेक्टिव टेप लगाए जा रहे हैं, ताकि वे घने कोहरे में भी आसानी से दिख सकें। इसके अतिरिक्त, नियमित घोषणाओं के माध्यम से चालकों को धीमी गति, सुरक्षित दूरी बनाए रखने और सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

संक्षिप्त

यूपी विधानसभा शीतकालीन सत्र, सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि देने के बाद सदन स्थगित

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का शीतकालीन सत्र की कार्यवाही स्थगित कर दी गई है। सत्र में दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि दी गई। इसके साथ ही सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। अब सोमवार को सदन की कार्यवाही शुरू होगी। यह सत्र आज से 24 दिसंबर तक चलेगा, जिसमें कुल चार कार्य दिवस होंगे क्योंकि शनिवार और रविवार को अवकाश रहेगा। सत्र काफी हंगामेदार होने वाला है। विपक्ष ने भी सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। सीएम योगी ने कहा है कि सरकार विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। सत्र के दौरान 22 दिसंबर को वित्तीय वर्ष 2025–26 का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया जाएगा। इसी दिन 'वंदे मातरम्श विषय पर पांच घंटे की विशेष चर्चा भी प्रस्तावित है। कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विधानसभा अध्यक्ष ने जानकारी देते हुए बताया था, 22 दिसंबर को अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा और 'वंदे मातरम्श पर विशेष चर्चा होगी। 23 और 24 दिसंबर को विधायी कार्य एवं अन्य चर्चाएं संपन्न कराई जाएंगी। सत्र की शुरुआत पारंपरिक रूप से महत्वपूर्ण विधायी कार्यों और बजट संबंधी प्रस्तावों के साथ होने की उम्मीद है। विपक्ष ने सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है। विपक्ष कोडीन सिरप और एसआईआर के मुद्दे पर सरकार को घेरने की रणनीति बना चुका है। हालांकि आज पहले दिन शोक प्रस्ताव के साथ ही विधानसभा की कार्यवाही स्थगित हो जाएगी। सत्र के पहले दिन घोसी विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह के निध ान पर शोक प्रस्ताव पेश किया जाएगा।

कफ सिरप का पोस्टर और बैनर पहनकर आए सपा विधायक

लखनऊ, संवाददाता। विधानमंडल के सत्र में भाग लेने के लिए शिकोहाबाद से सपा विधायक मुकेश वर्मा कोडीन कफ सिरप का पोस्टर पहनकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने पूछा कि आखिर कोडीन कफ सिरप की तस्करी करने वालों पर बुलडोजर कब चलेगा। काली कमाई में सत्ता पक्ष के लोग भी शामिल हैं। पुलिस–प्रशासन छोटी मछलियों को गिरफ्तार कर रहा है, जबकि बड़ों पर हाथ नहीं डाल रहा। वहीं वाराणसी से सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा साइकिल पर कफ सिरप की शीशी के कट आउट को लेकर पहुंचे। आरोप लगाया कि इस केस में बड़े लोग शामिल हैं। पहले कालीन भैया सुनते थे, अब कोडीन भैया आ गए हैं। सरकार कार्रवाई नहीं कर रही। बुलडोजर दिखाई नहीं पड़ रहा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अखिलेश के साथ दिखाई कफ सिरप वालों की तस्वीर

लखनऊ, संवाददाता। कफ सिरप को लेकर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने भी सपा और अखिलेश यादव पर पलटवार किया। एक तस्वीर दिखाते हुए डिप्टी सीएम ने कहा कि वांछित आरोपी अखिलेश के साथ दिखाई दे रहे हैं। डिप्टी सीएम ने कहा,ये तो वही बात हो गई, चोर की दाढ़ी में तिनका। ब्रजेश पाठक ने कहा कि पूरी की पूरी समाजवादी पार्टी सनातन संस्कृति के खिलाफ जितने भी बयान दे सकती है, देती है,हमारा मानना है कि ये लोग अखबार की सुर्खियां बटोरने के लिए इस प्रकार की बयानबाजी करते रहते हैं। ये सब वे तुष्टीकरण की राजनीति के तहत करते हैं।

उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू, संग्राम के संकेत

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है।सत्र की शुरुआत के साथ ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार टकराव के संकेत साफ नजर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी सरकार को घेरने के लिए अलग–अलग मुद्दों पर विरोध को तैयार है।सपा विधायक और हमेशा साइकिल से विधानसभा पहुंचने वाले जाहिद बेग ने आज भी अनोखे अंदाज में अपना विरोध दर्ज कराया।जाहिद बेग अपने साथ एकियु आई के आंकड़े ऑक्सीजन सिलेंडर और कफ सिरप की एक शीशी लेकर विधानसभा पहुंचे। उनका कहना है कि प्रदेश में बढ़ते प्रदूषण और कफ सिरप की तस्करी जैसे गंभीर मुद्दों पर सरकार जवाब देने से बच रही है।विधानसभा परिसर में जाहिद बेग का यह प्रदर्शन चर्चा का विषय बना रहा। विपक्ष ने सरकार की नीतियों के खिलाफ प्रतीकात्मक विरोध बताया। शीतकालीन सत्र के पहले दिन सदन में विधायी कामकाज नहीं हो पाएगा।आज सदन में सपा विधायक स्वर्गीय सुधाकर सिंह के निधन पर शोकसभा आयोजित की जाएगी।दिवंगत विधायक को श्रद्धांजलि देने के बाद आज की कार्यवाही स्थगित कर दी जाएगी। शीतकालीन सत्र की शुरुआत भले ही शोकसभा से हो रही हो, लेकिन आने वाले दिनों में विध ानसभा में सियासी घमासान तय माना जा रहा है।

मॉकड्रिल–लखनऊ में ट्रेनें टकराईं, बोगियों में आग, एनडीआरएफ ने रेस्क्यू किया

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के आलमबाग में दो ट्रेनों में भीषण टक्कर हो गई। कुछ बोगियों में आग भी लग गई। ट्रेनों में बैठे यात्री बचाओ–बचाओ चिल्लाने लगे। सूचना मिलते ही मौके पर तत्काल आरपीएफ, जीआरपी और एनडीआरएफ के जवान पहुंच गए। जवानों ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यात्रियों को बाहर निकालने के लिए खिड़कियां तोड़ीं और ड्रिल करके बोगी की बॉडी भी काटी। यह कोई सच घटना नहीं बल्कि उत्तर रेलवे की तरफ से की गई मॉक ड्रिल का सीन था। उत्तर रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की मॉक ड्रिल का उद्देश्य सभी संबंधित विभागों की तैयारियों को परखना और किसी भी रेल दुर्घटना की स्थिति में जान–माल के नुकसान को न्यूनतम करना है। ऐसे अभ्यास भविष्य में भी नियमित रूप से कराए जाएंगे, ताकि आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

बाइक सवार पर पीछे से चढ़ा ट्रक, राजमिस्त्री की ऑन स्पॉट मौत

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ में बाइक सवार राजमिस्त्री पर पीछे से ट्रक चढ़ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर वहां ट्रक छोड़कर भाग गया। पुलिस ने ट्रक जब्त कर लिया है और शव का पोस्टमॉर्टम कराने के लिए भेज दिया। मामला काकोरी कोतवाली क्षेत्र का है। किसान पथ आउटर रिंग रोड स्थित उदित खेड़ा अंडरपास पर यह हादसा हो गया। मृतक की पहचान दूल्हागंज, थाना काकोरी निवासी विनोद यादव (45) पुत्र स्वर्गीय पुत्ती लाल यादव के रूप में हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

पत्रकार हितों की रक्षा महासंघ की सर्वोच्च प्राथमिकता : मुनेश्वर मिश्र

नवगठित इकाइयों को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भेजी शुभकामनाएं

प्रयागराज। 'देश भर के पत्रकारों को सम्मान सुरक्षा और शक्ति दिलाने हेतु कृत संकल्पित संगठन भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ पत्रकार हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता पर करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम सभी पत्रकार साथियों को सम्मान व सुरक्षा का संकल्प लेकर सदैव संघर्षरत रहेंगे ।' यह उद्गार भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र ने उस समय व्यक्त किया जब वह संगठन में नवगठित इकाइयों को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की ओर से शुभकामनाएं देने को केंद्रीय कार्यालय में आज विचार विमर्श कर रहे थे।

श्री मिश्र ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ निर्विवाद रूप से भारत के शीर्ष पत्रकार संगठन के रूप में उभर कर सामने आया है। महासंघ में पूरी तरह लोकतांत्रिक व्यवस्था में तहसील जिला मण्डल और प्रदेश इकाइयों को पुनर्गठित किया जाता है। यहां नितांत व्यक्तिगत स्वार्थ सिद्ध करने वाले और पत्रकार साथियों के हितों की अनदेखी करने वाले किसी को भी स्थान नहीं दिया जाता है। पूरी निष्ठा और ईमानदारी से संगठन को मजबूत करने वाले साथियों को ही सम्मान दिया जाता है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय ने भी नई कार्यकारिणी गठित करने वाले तहसील मण्डल और प्रदेश इकाइयों के सक्रिय पदाधिकारियों को बधाई दी और कहा कि महासंघ के संविधान के अनुरूप संगठन को सुचारु रूप से संचालित करने वाले साथियों को सम्मान मिलना ही चाहिए जो उन्हें दिया जाएगा।

राष्ट्रीय मुख्य महासचिव मथुरा प्रसाद धुरिया ने बताया कि पूरे देश में एक साथ पुनर्गठन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जहां चुनाव की स्थिति आ जाती है वहां चुनाव प्रभारी और पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिया जाता है। संगठन में पूरी पारदर्शिता से चुनाव सम्पन्न कराये जाएंगे और नई कार्यकारिणी गठित करने के बाद वहां शपथ ग्रहण समारोह किया जाएगा। आगामी माह में एक साथ सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों को लखनऊ में एक भव्य समारोह में शपथ दिलाई जाएगी। श्री धुरिया जी ने देश भर के पत्रकारों को एकजुट होकर महासंघ में सक्रिय भागीदारी करने की अपील की है।

प्रियंका चौहान के गीतों पर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

पर्यावरण संरक्षण पर तीन दिवसीय कार्यशाला आयोजित

प्रयागराज । पर्यावरण संरक्षण, सदियों पुराने पेड़ों के संरक्षण को लेकर भावाअशिप पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज व्यापक मुहिम चलाएगा। इसको लेकर पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोणों के माध्यम से भूमि क्षरण तटस्थता विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वहीं सांस्कृतिक संध्या में दूरदर्शन व आकाशवाणी की गायिका प्रियंका चौहान ने मधुर गीतों से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रियंका ने श्एक प्यार का नगमा है.., तुमको देखा तो ये ख्याल आया.., झुकी–झुकी सी नजर.., रेलिया बैरन पिया को लिए जाए रे ..श जैसे गीतों से सुरीली बयार बहाई तो मंत्रमुग्ध श्रोता उसमें घंटों गोता लगाते रहे। प्रियंका का साथ आरोही सिंह ने दिया। सुविख्यात अकादमी कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने प्रियंका चौहान के गीतों की प्रशंसा की और कहा प्रियंका ने कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।

इसके पहले मुख्य अतिथि वन संरक्षक तुलसीदास शर्मा ने भूमि क्षरण सुधार के लिए उचित वृक्ष प्रजातियों के चयन द्वारा पौधारोपण से कृषि वानिकी को बढ़ावा देने पर बल दिया। केन्द्र प्रमुख डा.संजय सिंह ने बताया कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखण्ड तथा उत्तर प्रदेश के विभिन्न विभागों के 25 से ऊपर प्रशिक्षण प्रतिभागी हैं । वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. मनीष कुमार सिंह ने भूमि प्रबंधन तकनीक एवं भूमि क्षरण सुधार में केंद्र की भूमिका से अवगत कराया। समन्वयक आलोक यादव ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत कराया। संचालन सचिव अनुभा श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम की सह समन्वयक डा. अनीता तोमर ने धन्यवाद ज्ञापन किया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डा.मनीष कुमार सिंह, डा.सुधीर कुमार सिंह, डा.पंकज श्रीवास्तव, डा.पीसी अभिलाष, डा. दीपक लाल, डा.अश्विनी कुमार, डा.उमेश कुमार आदि ने विचार व्यक्त किए।

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे का रास्ता बंद कर बिराल गांव के लोगों ने टैंट लगाकर दिया धरना

मुजफ्फरनगर। दरअसल हम आपको बता दें कि बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र के गांव बिराल के ग्रामीणों ने शुक्रवार को किसान मजदूर संगठन पूरण सिंह के बैनर तले बिराल को निकल रहे दिल्ली देहरादून इक्नोमिक कोरिडोर को एक तरफ से बंद कर टैंट लगाकर धरना दिया। धरने की सूचना पर मौके पर पहुंचे बुढ़ाना तहसीलदार महेंद्र सिंह यादव और नायब तहसीलदार अमन सिंह ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कर 9 सुत्रीय मांगों का ज्ञापन लिया और आश्वासन दिया कि उनकी ये मांगे जल्द पूरी कर दी जाएंगी। ज्ञापन में लिखा है दिल्ली देहरादून इकनोमिक कोरिडोर जो कि बिराल से होकर निकल रहा है इसमें सर्विस रोड दिया जाए। जिससे हाईवे का उपयोग गांव के लिए हो। बिराल से 3 रोडवेज बसें चलाई जाएं जो मुजफ्फरनगर सहारनपुर मेरठ से रोज वापसी करें जिससे कि बाहर आना जाना सरल हो। बिराल राजकीय इंटर कालेज में शिक्षकों की तैनाती हो। राजकीय इंटर कालेज बिराल के ऊपर जो बिजली की 11 हजारी लाइन है उसे हटाई जाए। बिराल में खाद सोसाइटी बनाई जाए। बिराल में चल रही चकबंदी जल्द सही की जाए। बिराल, हरिया खेड़ा, बड़ौदा, कुरालसी, राजपुर गढ़ी व अटाली से आवारा पशु हटाए जाएं। बिराल का दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस–वे का मुआवजे से संबंधित आर्बीटेशनध का मामला आयुक्त के यहां लंबित है इसमें किसानों कोध मुआवजा दिलाया जाए। क्षेत्र में स्मार्ट मीटर न लगाए जाएं। दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे पर जो अंडरपास हैं उनमें पानी भरा रहता है उससे निजात दिलाई जाए। ट्यूबवैलों पर चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाया जाए। धरने पर अंकुश ठाकुर, ग्राम अध्यक्ष ठाकुर मदन, गांव प्रधान ठाकुर मन्नू, दीपक प्रधान, अजमेर, प्रमोद, भीम सिंह, सत्यवीर, राहुल, मोनू आदि ग्रामीण मौजूद थे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मनरेगा पार्क को दुरुस्त करने को लोकपाल ने ग्राम प्रधान व सचिव को दिया सख्त निर्देश

प्रतापगढ़ । लोकपाल मनरेगा समाज शेखर की जन सुनवाई तथा संवाद कार्यक्रम शुक्रवार को निरंतर जारी रहा । राजमार्ग चित्रकूट से अयोध्या बाया प्रयागराज मुख्य मार्ग के किनारे स्थित मनरेगा पार्क की दुर्दशा को संज्ञान में लेकर ग्राम पंचायत राजगढ़ के प्रधान व सचिव को बुलाकर उनका पक्ष सुना।लोकपाल ने स्पष्ट रूप से प्रधान व सचिव को पार्क को तत्काल साफ सफाई व रंगाई पुताई कराके जनोपयोगी व उदेश्य पूर्ण बनाने का निर्देश दिया। लोकपाल ने खंड विकास अधिकारी व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी सदर ब्लाक को पर्यवेक्षण कर सदर ब्लाक के ग्राम पंचायत राजगढ़ के मनरेगा पार्क की दुर्व्यवस्था की दशा बदलने के

निर्देश दिया।

प्रधान मनोज सिंह ने बताया कि रोजगार सेवक सहयोग नही करते जिससे ग्राम का मनरेगा कार्य बाधित होता है जिस पर लोकपाल ने सचिव को निर्देश दिया कि सम्बन्धित ग्राम सेवक को नोटिस करें और 23 दिसंबर को अनिवार्य रूप से ग्राम रोजगार को सूचित कर लोकपाल कार्यालय में उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सचिव को पार्क को दुरुस्त करा के इसी तिथि को अवगत कराने को कहा है। लोकपाल ने मांधाता ब्लाक के धनीपुर ग्राम के सचिव हरीश पांडेय व बाबा बेलखर नाथ ब्लाक के पिपरी खालसा ग्राम के सचिव ने उपस्थिति होकर अपेक्षित आख्या प्रस्तुत की।

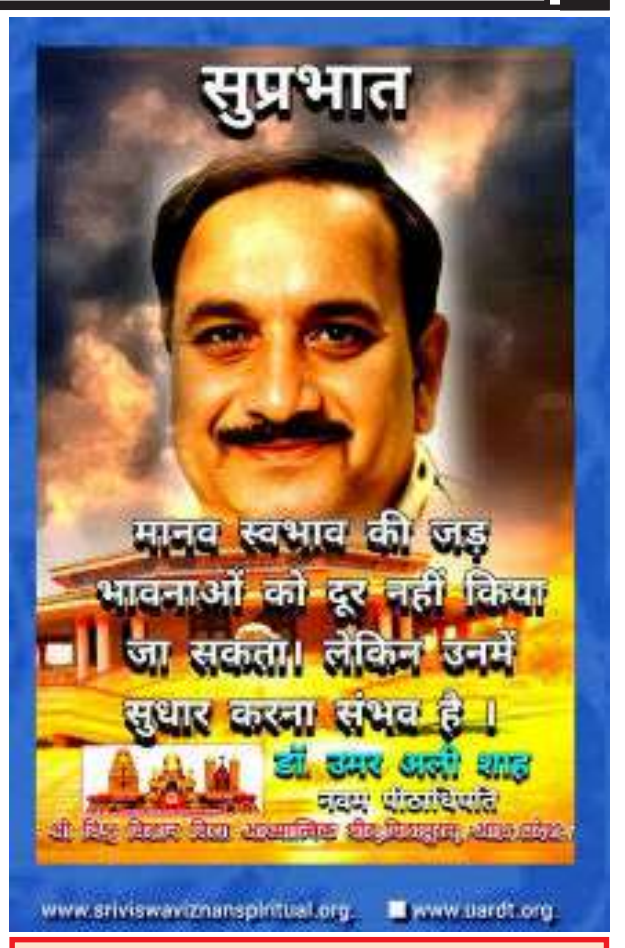

बारिश होती एक सी

(कुण्डलिया)

बारिश होती एक–सी, अलग–अलग हैं देश।
टप टप करती सब जगह, कभी न करती क्लेश।
कभी न करती क्लेश, प्यास वह सबका हरती।
नदी पोखरा ताल, सभी में जीवन भरती।
सबसे करें प्रदीप,मात्र बस यही गुज़ारिश।
जीवन का हर रंग, दिखाती है यह बारिश।।

किस्मत की ही बात है,आफत आयी गाढ़।
दिखते हैं कोई नहीं, उतर गई जब बाढ़।
उतर गई जब बाढ़, दिखा तब घर का मंजर।
सड़ा हुआ आनाज, दिवारें जर्जर जर्जर।
सुन लो कहें प्रदीप,जिन्हें था सबसे निस्बत।
उनको मिला प्रकाश, न रूठी उनकी किस्मत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

कानपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन एवम् अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई ।इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि शहर समता विचार मंच की राष्ट्रीय संयोजक सीमा वर्णिका एवं विशिष्ट अतिथि प्रीति श्रीवास्तव रही।

यह काव्य गोष्ठी दोपहर 12:30 बजे से 2:00बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही श्रद्धा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति शिप्रा सिंह द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन पुष्पा सिंह ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सुषमा सिंह उर्मि,हेमा पांडे, सुषमा त्रिपाठी,प्रीति श्रीवास्तव, शिप्रा सिंह ज्ञानेन्द्र, अर्चना सिंह चौहान,पुष्पा सिंह,सीमा वर्णिका एवम् श्रद्धा श्रीवास्तव ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल द्वारा मांग पर तत्काल कार्यवाही

मुजफ्फरनगर। जानसठ रोड के व्यापारियों ने नगर अध्यक्ष जय पाल एवम प्रभारी अंशुमान अग्रवाल को बढ़ते कोहरे एवम आये दिन होती घटनाओ से अवगत कराते हुए अनुरोध किया कि जानसठ रोड पर डिवाडर पर कोई भी रिफ्लेक्टर या पेंट नही है जिससे आये दिन वाहन दुर्घटना ग्रस्त होते है। जिसका संज्ञान लेते हुए अंशुमान अग्रवाल ने ट्रैफिक इस्पेक्टर को समस्या से अवगत कराया ओर यह भी बताया कि आये दिन हादसे हो रहे है इस शिकायत पर तत्काल संज्ञआन लेते हुए आज प्रातः ही पेंट का कार्य आरंभ हो गया जिससे व्यापारी बन्धुओ ने राहत की सांस ली।

औद्योगिक इकाइयों में पुलिस का सत्यापन अभियान, कर्मचारियों के दस्तावेज जांचे गए

मुजफ्फरनगर। जिले में देर रात पुलिस ने घुसपैठियों और अवैध रूप से कार्यरत कर्मचारियों की पहचान के लिए व्यापक सत्यापन अभियान चलाया। सीओ सिटी, सिविल लाइन और शहर कोतवाली पुलिस ने संयुक्त रूप से इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित स्टील प्लांट, पेपर मिल और एक दर्जन से अधिक औद्योगिक इकाइयों में छापेमारी की।सत्यापन के दौरान कई फैक्ट्रियों में पंजीकृत मजदूर और कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, वहीं कुछ इकाइयों में सुरक्षा सेवाएं देने वाले कर्मियों ने कर्मचारियों के आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए। इस पर पुलिस ने संबंधित फैक्ट्री प्रबंधन और सुरक्षा एजेंसियों को कड़ी हिदायत दी।

पुलिस ने सभी फैक्ट्री मालिकों और औद्योगिक इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने यहां कार्यरत प्रत्येक श्रमिक और कर्मचारी का जल्द से जल्द पुलिस सत्यापन कराएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सत्यापन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस अभियान का मकसद न सिर्फ अवैध रूप से कार्यरत लोगों की पहचान करना है, बल्कि औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा और कानून का पालन सुनिश्चित करना भी है।

सम्पादकीय.....

मौत की धुंध

उस घटना की कल्पना करके भी रूह कांप जाती है, जिसमें मथुरा के निकट, मंगलवार तड़के घने कोहरे के चलते कई वाहनों के आपस में टकराने से तेरह लोग जिंदा जल गए। घने अंधेरे में बड़ी संख्या में लोग आग में झुलसे और घायल हुए। मरने वाले निर्दोष लोग अपने–अपने जरूरी कामों के लिए जल्दी पहुंचने की चाहत में रात के सफर पर निकले थे। लेकिन हालात उन्हें मौत के मुंह में ले गये। मंगलवार को अमंगल का यह सिलसिला पंजाब तक चला, जहां सुबह घने कोहरे के चलते पांच लोगों की मौत सड़क दुर्घटनाओं में हुई। बरनाला व तपामंडी में हुए दो सड़क हादसों में एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच लोगों की मौत हुई। वजह वही, घने कोहरे के चलते दृश्यता में कमी और स्थिति का आकलन न कर पाने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो जाना। वहीं तपामंडी के व्यापारी की पत्नी व बेटी की मौत रास्ते में खड़े ट्रक से उनकी कार के टकराने से हुई। इससे पहले रविवार सुबह कोहरे के कोहराम से 66 वाहनों के टकराने से एक छात्रा समेत चार लोगों की मौत हरियाणा में भी हुई। चरखी दादरी में एक स्कूल बस व रोडवेज की बस की आमने–सामने की टक्कर में एक ग्यारहवीं की छात्रा की मौत हो गई और तीस से अधिक छात्राएं व शिक्षक, बस चालक समेत घायल हो गए। वहीं तेज रफ्तार वाले नेशनल हाईवे 152–डी पर एक के बाद एक, अनेक वाहन दृश्यता की कमी के चलते दुर्घटनाग्रस्त हो गए, जिसमें तीन युवकों की मौत हो गई और 24 से अधिक लोग घायल हो गए। निश्चय ही निर्दोष लोगों का यूं असमय काल–कवलित होना बेहद दुखद ही है। आखिर हर साल जाड़े के दिनों में धुंध या कोहरे की वजह से होने वाले हादसों के लिए हम क्यों अभिशप्त हैं? आखिर इन दुर्घटनाओं को टालने की गंभीर कोशिश सरकार, समाज व वाहन चालकों की तरफ से क्यों नहीं की जाती? विडंबना है कि जब हमने चांद व मंगल ग्रह तक दस्तक दे दी है, तो राष्ट्रीय राजमार्गों व एक्सप्रेस–वे पर यात्रियों के जानमाल की रक्षा के लिए धुंध से मुक्ति की तकनीक क्यों नहीं लगा पा रहे हैं? निश्चय ही प्रकृति की लीला का मुकाबला कर पाना संभव नहीं, लेकिन कमोबेश दुर्घटनाओं की संख्या कम करके जान–माल का नुकसान कम करने का प्रयास तो करें। यह सजगता नागरिकों के स्तर पर भी जरूरी है। यात्रा के समय के चयन और धुंध के बीच वाहन चालन में अतिरिक्त सतर्कता की जरूरत होती है। राष्ट्रीय राजमार्ग व एक्सप्रेस–वे पर पर्याप्त रोशनी और धुंध में दृश्यता बढ़ाने के तकनीकी प्रयास किए जाएं। मौसमी बाधा के बीच दुर्घटना का एक बड़ा कारण राजमार्गों के किनारे अवैध रूप से जगह–जगह खोले गए ढाबे भी बनते हैं। दरअसल, होटल–ढाबों के पास वाहनों को अपने परिसर में खड़ा करने की जगह नहीं होती, जिसके चलते ट्रक व अन्य वाहन सड़कों में खड़े रहते हैं। जिसके चलते अक्सर तेजी से आने वाले वाहन दृश्यता की कमी से इन खड़े वाहनों से टकराकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाते हैं। पिछले माह राजस्थान के फलोदी के निकट एक टेम्पो ट्रेवलर के सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर से टकराने से दस महिलाओं व चार बच्चों समेत पंद्रह लोगों की मौत हुई थी। इस घटना पर स्वतरू संज्ञान सुप्रीम कोर्ट ने लिया। सोमवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सख्त नाराजगी दिखाई। कोर्ट ने लगातार हादसों की वजह बन रहे इन अवैध होटलों–ढाबों पर नियंत्रण हेतु पूरे देश के लिये दिशा–निर्देश जारी करने की जरूरत बतायी। कई अध्ययनों में हादसों की वजह सड़कों के डिजाइन में कमी को भी बताया गया। सवाल है कि जब देश में अच्छी–तेज सड़कों का जाल तीव्र गति से बिछाया जा रहा है तो सुरक्षित सफर सुनिश्चित करना भी तो नीति–नियंताओं की जवाबदेही बनती है? हादसों के लिए सिर्फ चालकों को जिम्मेदार नहीं बताया जा सकता।

मेसी से सीखें अपनी मातृभाषा का सम्मान करना क्या है

सुशील दोशी

मेसी, पेले, तेंदुलकर, गावस्कर, ध्यानचंद, ब्रैडमेन जैसे खिलाड़ी दुनिया की धरोहर होते हैं। हुनर, कला व प्रतिभा का सम्मान ही स्वस्थ समाज व दुनिया की रचना करता है।

दुनिया के सबसे लोकप्रिय खेल फुटबॉल के भगवान कहलाने वाले लियोनल मेसी की भारत यात्रा ने दीवानगी के नए कीर्तिमान स्थापित करने के साथ ही विवाद भी खड़े किए। कोलकाता, हैदराबाद, मुम्बई, दिल्ली में स्टेडियम तो भरे रहे, पर साथ ही फिल्मी सितारों, राजनीतिज्ञों व उद्योगपतियों में इस वैश्विक सितारे के इर्द–गिर्द मंडराने की होड़ लगी रही। कोलकाता तो अपने फुटबॉल प्रेम के लिए विख्यात है। साल्ट लेक स्टेडियम पर अपर्याप्त व्यवस्था के चलते अफरा–तफरी मच गई। जिन दर्शकों ने 25000 रुपए तक में टिकट खरीदे थे, वे मेसी की एक झलक भी न पा सके। उन्होंने अपने को ठगा हुआ महसूस किया। राजनीति व फिल्म–जगत के सितारे तो मेसी के साथ फोटो खिंचवाते रहे, पर फुटबॉल के सच्चे प्रेमी दर्शक अपने सितारे को देख भी न सके। नाराज दर्शकों ने तोड़–फोड़ शुरू कर दी और ममता सरकार को भारी बदघ्नामी झेलनी पड़ी, क्योंकि मेसी 20 मिनट में ही वापस चले गए। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक शतद्रु दत्ता सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया व एसआईटी की जांच बैठा दी गई। मुख्यमंत्री ने माफी भी मांगी। होना तो यह चाहिए था कि मेसी को एक खुली जीप या गाड़ी में बैठाकर स्टेडियम का चक्कर और फुटबॉल को किक लगवा लेना था। दर्शक तृप्त हो जाते। कोलकाता में दर्शक न

तो शाहरुख खान को देखने आए थे और न ही अन्य सितारों व राजनीतिज्ञों को। अलबत्ता कोलकाता के बाद हैदराबाद, मुम्बई व नई दिल्ली में टूर व्यवस्थित रहा। मुम्बई में जब मेसी की अगवानी क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने की तो दोनों का भावुक मिलन व जर्सियों का आदान–प्रदान देख दर्शक तृप्त हो गए।

मेसी के साथ लुई सुआरेज व रोड्रिगो डीश्पॉल भी थे और भारतीय लोकप्रिय फुटबॉलर सुनील छेत्री जब उनसे मिले तो सभी अभिभूत रह गए। भारत फुटबॉल में विश्व में 142वें स्थान पर है, पर इसके बावजूद फुटबॉल का जुनून उमड़ता नजर आया। मैसेज साफ था कि मेसी एक खिलाड़ी व व्यक्ति से ऊपर उठकर एक वैश्विक 'ब्रांड' बन गए हैं। आप 'सुपरस्टार' संस्कृति से छुटकारा पा ही नहीं सकते। खेल को कायम रखने व दर्शकों को निरंतर आकर्षित करते रहने की ताकत के कारण ऐसे सितारों की जरूरत भी रहती है। लेकिन भारत के ओलिंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने इस आयोजन के प्रति निराशा जाहिर की कि इससे भारत को क्या हासिल हुआ? इतने धन से तो भारतीय खेलों के विकास को गति मिल सकती थी। यहां मैं बिंद्रा से असहमत हूं। महान खिलाड़ी देश व सीमा से परे होते हैं। कला हमेशा कालजयी होती है।

मेसी, पेले, तेंदुलकर, गावस्कर, ध्यानचंद, ब्रैडमेन जैसे खिलाड़ी दुनिया की धरोहर होते हैं। हुनर, कला व प्रतिभा का सम्मान ही स्वस्थ समाज व दुनिया की रचना करता है। अगर लियोनल मेसी को देखकर भारतीय युवा प्रेरित होते हैं, तो इसमें बुराई क्या है? महान खिलाड़ी अपने देश व स्वाभिमान का प्रतीक भी होता है। उसका व्यवहार, विनम्रता व चरित्र दूसरों को प्रेरित करता है। मेसी अर्जेंटीना के खिलाड़ी हैं तो उन्होंने अपनी मातृभाषा स्पैनिश में ही बात की। लेकिन हमारे मशहूर खिलाड़ी विदेश जाते हैं तो हिंदी या अपनी मातृभाषा में बात करने से कतराते हैं। अपनी भाषा के सम्मान को अपने देश की संस्कृति व स्वाभिमान को कायम रखने का प्रयास कहा जा सकता है। मेसी को देखकर लगा कि वे अपने देश के सच्चे राजदूत हैं। हां, किसी महान खिलाड़ी के आगमन को राजनीतिक रंग देने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। मेसी से फुटबॉल और दूसरे खेलों के दिग्गज खिलाड़ियों का मिलना तो सौहार्द और प्रेरणा देने वाली बात है, पर फिल्मी सितारों और राजनीतिज्ञों का क्या काम था? बहरहाल, भारत के लोकप्रिय क्रिकेट–सितारे महेंद्रसिंह धोनी या विराट कोहली भी मेसी की तरह अपना 'ब्रांड' विश्व पटल पर स्थापित कर सकते हैं। वर्ष के आरम्भ में एनबीए स्टार लेब्रॉन जेम्स और करी ने चीन का एकल दौरा किया था। जेम्स के दौरे को 'नाइकी' ने स्पॉन्सर किया था और उसे द फॉरएवर किंग टूर का नाम दिया था। लियोनल मेसी इस कड़ी में और आगे बढ़ गए हैं, जिसमें ब्रांड 'व्यक्ति' से भी बड़ा धन बन जाता है। इसीलिए तो उन्हें ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम ('गोट') कहा जाता है। हमारे खिलाड़ी विदेश जाते हैं तो मातृभाषा में बात करने से कतराते हैं। अपनी भाषा के सम्मान को संस्कृति व स्वाभिमान को कायम रखने का प्रयास कहा जा सकता है। मेसी को देखकर लगा वे स्पैनिश के सच्चे राजदूत हैं।

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

ललित गर्ग

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है–गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली–एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप–4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी–रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश–पर्यावरण साफ–सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति–एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर–गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए फ्लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है, बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड–इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार–पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही। आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है–जहां झुग्गी–बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते। अब समय आ गया है कि सरकार और जनता–दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण–संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा–अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं। सरकारों की नीतिगत विफलता इस बढ़ते वायु प्रदूषण की त्रासदी का बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए 'आपात कदम' उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा 'महंगा विकल्प' बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है। वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे–धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे। वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत–विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा।

'सिर्फ यादें रह गईं'

(धारावाहिक लघु उपन्यास) (भाग –4)

लेखिका – अतिया नूर

मेरा नन्हा– मुन्ना समीर एक साल का हो चुका था, वो अब छोटे–छोटे पांव से डगमगाता हुआ चलने की कोशिश करता और मैं खुशी से बस देखती रह जाती और समीर की मुस्कुराहट में जीवन की खुशियां ढूंढने लगती। दिन भर घर के काम और अपने बच्चे के पीछे– पीछे भागते दिन कैसे पंख लगाकर उड़ जाता पता ही नहीं चलता था। इन सबके बीच इतना तो हुआ कि मुझे जीने की एक वजह मिल गई।

शेखर भी समीर के साथ बहुत खुश थे, और पिता होने के सारे फर्ज बखूबी निभाते थे। हम–दोनों के बीच समीर एक पुल जैसा था।

अब तक मैंने ये स्वीकार करके जीना सीख लिया था कि मेरे जीवन में प्रेम के लिए कोई जगह नहीं। ये खुशी सबको

नसीब नहीं होती३जो मेरी तकदीर में था वो मुझे मिल चुका है और अब मुझे इसी सच के साथ जीना होगा, एक प्रेम रहित शादी को निभाना बेहद तकलीफ देह तो है लेकिन मेरे जीवन का सच अगर यही है तो इसे स्वीकार करना ही होगा... फिर धीरे–६ीरे मैंने अपनी जिंदगी से इश्क, मुहब्बत के तमाम रंग निकाल दिए...

लेकिन मुझमें एक रंग जो जिंदा हुआ वो मातृत्व का था, दुनिया का सबसे खूबसूरत रंग। इस इंद्रधनुषी रंग के सामने हर रंग ऐसा फीका पड़ा कि निगाहों को फिर कोई रंग भाया ही नहीं। अब मैं थी और मेरा नन्हा– मुन्ना समीर और मेरे समीर को लेकर मेरी आँखों में तैरते सतरंगी सपने।

समीर के साथ जिंदगी सपने जैसी ही तो थी, मेरा बचपना मानो लौट आया हो, उसके संग शरारतें करती, हंसती– खिलखिलाती, उछल– कूद करती, मैं अपने जीवन की रिक्तता को भरने की कोशिश करती रहती थी। मैं जब उसे गले से लगाती तो ऐसा लगता जैसे कि जीवन की सारी खुशियां मेरे दामन में सिमट आई हों। जब वो हंसता तो मैं हँसती और उसके रोने पर मैं भी रो पड़ती। उसे चोट लगती तो मैं दर्द से चीख पड़ती।

चीख ही तो पड़ी थी उस दिन जिस दिन साल भर के समीर को बिना सहारा लिए न चल पाने पर शेखर ने लकड़ी की बेंत से बुरी तरह पीटा। मैं चीखी लेकिन मेरी चीखों में आवाज नहीं थी, बड़ी खामोश थीं वो चीखें, क्यूंकि शेखर के सामने चीखने की हिम्मत ही कहाँ थी मेरे पास...

मैं जानती थी कि शेखर ने समीर को अपनी बहन के कान भरने पर पीटा है, बहन ने कान मेरे खिलाफ भरे थे कि जैसे इसकी माँ कुछ नहीं करती वैसे ही बेटा भी कामचोर है, साल भर का हो गया लेकिन चलना नहीं चाहता, वरना इतने बड़े सारे बच्चे चलने लगते हैं और इसी तनाव में मेरे नन्हे से बच्चे को मार खानी पड़ी।

फिर तो ये सिलसिला ही चल पड़ा। घरवालों की मेरे खिलाफ कान भराई पर मेरे घर के माहौल का विषाक्त होना और फिर सारी भड़ास मेरे नन्हे से बच्चे पर निकलने का सिलसिला...

मैं जब कभी दबे शब्दों में उनकी हरकतों का विरोध करती तो घर का माहौल और भी बिगड़ जाता फिर मुझे घर के अशांत माहौल को शांत करने के लिए खामोश रहना पड़ जाता।

शेखर का व्यवहार अजीब था। वो एक पल को समीर से प्यार करते, गले से लगाते, समीर के बीमार पड़ने पर सारी रात उसके साथ जागते, उसका हर तरह से खयाल रखते लेकिन जब उनका मूड बिगड़ता तो अगले ही पल उस छोटे से बच्चे को पीटकर अपनी सारी भड़ास निकालते। उनके घर के लोग शेखर की इन हरकतों पर हमेशा उनका साथ देते। उनका कहना था कि – लोग मारते भी उसी को हैं जिससे बहुत प्यार करते हैं३ और शेखर मेरे बच्चे की छोटी– छोटी गलतियों पर कभी उसके मुँह पर अपनी उंगलियों के काले–काले निशान बना देते तो कभी उसके कोमल बदन को छड़ी से लाल कर देते।

मैं बस बेबसी से देखती रहती थी। आज सोचती हूँ कि काश– उसी समय मुझमें विरोध का साहस होता, मैं अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना जानती तो शायद इतना कुछ तो घटित नहीं होता।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

हमने दुनिया देख ली , जिसकी बदली सोच।
बदलो अपने आप को, क्या करना संकोच।।
क्या करना संकोच, रंग लो अपना अँगना।
नव युग का नव रंग, इसी में सबको रँगना।।
पाता रचना लक्ष्य , सोच ये बदली जिसने।
तुम बदलो अब सोच, जिसे बदली है हमने।।

कब बदलोगे सोच तुम, दुनिया बदली आज।
मंजिल पाने के लिए, करना है कुछ काज।।
करना है कुछ काज, रूढ़िवादी मत होना।
जीवन कर गतिशील, वक्त को अब मत खोना।।
कहती रचना आज, देख तकनीकी युग अब।
बदले दुनिया सोच , और तुम बदलोगे कब।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

जब दीपिका बनीं मस्तानी: 10 साल बाद भी जहन में ताजा हैं ये 7 आइकॉनिक लुक्स

दस साल बाद भी मस्तानी इसलिए यादों में बसी है क्योंकि दीपिका पादुकोण ने इस किरदार को सिर्फ अभिनय से नहीं, बल्कि अपनी मौजूदगी से जिया। हर फ्रेम में उनकी शांति, शाही गरिमा और गहरी खूबसूरती साफ दिखती थी। दीपिका ने मस्तानी के कपड़े सिर्फ पहने नहीं, बल्कि उन्हें गर्व, ठहराव और स्वाभाविक शाही अंदाज के साथ अपनाया। उनकी स्थिरता बहुत कुछ कहती थी, उनकी नजर में अधिकार झलकता था और उनका संयम हर लुक को बनावटी नहीं, बल्कि सजीव बनाता था। बाजीराव मस्तानी आज भी दृश्यात्मक भव्यता का एक मानक मानी जाती है, और मस्तानी की वेशभूषा हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार कॉस्ट्यूम यात्राओं में से एक है। हर पोशाक ने दीपिका की प्राकृतिक सुंदरता को और निखारा, किरदार में गरिमा, ताकत और भावनात्मक गहराई जोड़ी। पेश हैं मस्तानी के सात शाही लुक्स, जो आज भी मंत्रमुग्ध कर देते हैं–

1. सफेद रंग की शांति

साफ सफेद पोशाक में हल्के सुनहरे काम के साथ दीपिका बेहद दिव्य और सशक्त दिखीं। कम गहनों और सादे कट ने उनके शांत भाव और सुंदर मुद्रा को उभरने दिया। यह लुक मस्तानी के दर्द और दृढ़ निश्चय को शांति से दिखाता है।

2. लाल घूंघट का विद्रोह

गहरे लाल रंग में लिपटी दीपिका में शक्ति और तीव्रता झलकती है। घूंघट मुकुट की तरह चेहरे को घेरता है, जबकि भारी गहने और नथ उनकी रानी जैसी आभा को और मजबूत बनाते हैं। यह रंग उनके व्यक्तित्व में आदेशात्मक असर लाता है।

3. बैंगनी शाही गरिमा

समृद्ध बैंगनी रंग में दीपिका शाही नजाकत की मिसाल बनीं। कीमती रंग, बारीक कढ़ाई और विरासत जैसे गहनों ने उनकी सुंदरता को ऊँचा उठाया। उनका संयम और सहज चाल इस लुक को कालजयी बनाती है।

4. मिंट–ग्रीन की राजसी सादगी

नरम मिंट–ग्रीन रंग, मोतियों और सुनहरे आभूषणों के साथ दीपिका की कोमल सुंदरता उभरती है। बहता कपड़ा उनकी काया को खूबसूरती से ढालता है और शांत भाव इस लुक को शाही ठहराव देते हैं।

5. तलवार और सफेद का संदेश

यह लुक अपनी प्रतीकात्मकता के लिए यादगार है। तलवार के साथ दीपिका की दृढ़ मुद्रा शालीनता और योद्धा–भाव को जोड़ती है। उनका आत्मविश्वास इसे सम्मान, ताकत और स्वाभिमान का प्रतीक बनाता है।

6. दरबार की लाल साड़ी

शाही दरबार के लिए बनी यह गहरी लाल साड़ी दीपिका की भव्य मौजूदगी को और उभारती है। सधा हुआ पल्लू, सीमित गहने और समृद्ध कपड़ा उन्हें एक गरिमामयी, शांत और प्रभावशाली रानी बनाता है।

7. आइकॉनिक सुनहरी 'दीवानी मस्तानी' लुक

> बाजीराव मस्तानी आज भी दृश्यात्मक भव्यता का एक मानक मानी जाती है, और मस्तानी की वेशभूषा हिंदी सिनेमा की सबसे यादगार कॉस्ट्यूम यात्राओं में से एक है। हर पोशाक ने दीपिका की प्राकृतिक सुंदरता को और निखारा, किरदार में गरिमा, ताकत और भावनात्मक गहराई जोड़ी।

सिर से पाँव तक सुनहरा यह लुक सिनेमा के इतिहास में दीपिका की जगह पक्की करता है। सजे हुए लहंगे, मेल खाते गहने और चमकदार बनावट उनकी गरिमा और भावपूर्ण आँखों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। यही वजह है कि बाद में ऑस्कर अकादमी ने भी इस गाने की क्लिप अपने सोशल मीडिया पर साझा की– यह आज भी कालजयी भव्यता की मिसाल है और गाना आज भी आइकॉनिक है। दस साल बाद भी ये लुक्स इसलिए यादगार हैं क्योंकि दीपिका पादुकोण ने हर एक को गर्व, सुंदरता और भावनात्मक गहराई के साथ निभाया। ये सिर्फ कपड़े नहीं थे ये उनके अभिनय का हिस्सा बन गए। मस्तानी के जरिये दीपिका ने भारतीय सिनेमा को शाही ठाठ, नजाकत और ताकत की एक ऐसी दृश्य विरासत दी, जो आज भी प्रेरित करती है, आकर्षित करती है और कभी भुलाई नहीं जा सकती।

मुंबई में जंगल का जादू, 'वेलकम टू द जंगल' के क्लाइमैक्स की भव्य शूटिंग

वेलकम टू द जंगल के निर्माताओं ने इसके भव्य क्लाइमैक्स के लिए मुंबई में एक शानदार जंगल की दुनिया रच दी है, निर्देशक अहमद खान ने शूट से एक मजेदार बीटीएस साझा किया। फिल्ममेकर अहमद खान ने बहुप्रतीक्षित वेलकम टू द जंगल के लिए शहर के कुछ हिस्सों को घने जंगल में तब्दील कर दिया है। उन्होंने फिल्म के शूट से एक मजेदार बीटीएस तस्वीर साझा की, जिसने इस मेगा क्लाइमैक्स शूट को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। फिल्म के हाई–ऑक्टेन क्लाइमैक्स की शूटिंग शहर के पाँच सावधानीपूर्वक चुने गए लोकेशंस पर शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, रवीना टंडन, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पटानी, लारा दत्ता, तुषार कपूर सहित कई अन्य कलाकारों की एक भव्य स्टारकास्ट नजर आएगी। क्लाइमैक्स शूट के बाद, पूरे कलाकारों के साथ एक इंट्रोडक्टरी सॉन्ग की शूटिंग जनवरी के दूसरे सप्ताह में की जाएगी। इसके साथ ही वेलकम टू द जंगल की शूटिंग अगले साल की शुरुआत में आधिकारिक तौर पर पूरी होने की उम्मीद है। बेस इंडस्ट्रीज ग्रुप द्वारा प्रस्तुत वेलकम टू द जंगल, जिसका निर्माण फिरोज ए. नाडियाडवाला ने किया है और निर्देशन अहमद खान ने किया है।

तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के ट्रेलर लॉन्च से पहले कार्तिक ने लिया भगवान का आशीर्वाद, दोनों हाथ जोड़ प्रार्थना करते दिखे एक्टर

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' को लेकर सुर्खियों में हैं। उनकी ये फिल्म महज कुछ दिनों में ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। वहीं, हाल ही में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च से पहले एक्टर ने भगवान से आशीर्वाद लिया और इसकी एक झलक फैंस को भी दिखाई। तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के ट्रेलर रिलीज से पहले कार्तिक ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह भगवान के सामने हाथ जोड़कर प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान कार्तिक सिंपल कपड़ों में दिखाई दे रहे हैं। आंखें बंद कर, पूरे मन से वह भगवान के सामने प्रार्थना करते नजर आ रहे हैं। इस फोटो को शेयर कर एक्टर ने कैप्शन लिखा– आज दिल में विश्वास के साथ। फैंस एक्टर की इस फोटो को जमकर लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बात करें कार्तिक की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' की तो यह क्रिसमस के मौके यानी 25 दिसंबर को पर्दे पर रिलीज होने जा रही है।

धर्मेंद्र की प्रेयर मीट में भीड़ देख हैरान रह गए थे मनोज देसाई, हेमा मालिनी को लेकर बोले– अच्छा हुआ वह नहीं आई

साल 2025 ने जाते–जाते हमसे हिंदी सिनेमा का शानदार सितारा भी छीन लिया। 24 नवंबर को धर्मेंद्र के निधन की खबर से पूरे देशभर में शोक की लहर दौड़ गई। इसके बाद परिवार के सदस्यों ने दो अलग–अलग प्रार्थना सभाएं आयोजित की, जिसमें अलग–अलग सेलेब्स पहुंचे थे। वहीं, अब हाल ही में थिएटर मालिक मनोज देसाई ने धर्मेंद्र की प्रेयर मीट के बारे में बात की, जो सनी देओल द्वारा आयोजित सभा में शामिल हुए थे। हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान मनोज देसाई ने बताया कि दिवंगत धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा में वह सैकड़ों लोगों के साथ लाइन में लगे थे और सनी देओल से मिलने से पहले उन्हें बहुत देर इंतजार करना पड़ा था। उन्होंने बताया, श्गाड़ियों की बहुत लंबी लाइन लगी हुई थी। मेरी गाड़ी 86वें नंबर पर खड़ी थी। मेरे आगे और पीछे बड़ी–बड़ी गाड़ियां थीं। प्रार्थना सभा में भजन गाए गए और पूरी दुनिया के लोग वहां मौजूद थे। हर कोई प्रार्थना सभा में आया था। मेरी मुलाकात सनी देओल से हुई और मैंने उनसे कहा कि बहुत सारे लोग आ रहे हैं, इसलिए मैं सामने वाले गेट से निकल जाऊंगा। उन्होंने कहा कि आने के लिए शुक्रिया। बाहर इतनी लंबी लाइन लगी थी कि मैं 45 मिनट तक अपनी गाड़ी का इंतजार करता रहा। मनोज देसाई ने बताया कि उन्होंने धर्मेंद्र की प्रार्थना सभा में जितनी भीड़ देखी, उतनी भीड़ उन्होंने किसी और कलाकार की प्रार्थना सभा में कभी नहीं देखी थी। एक्टर ने कहा, श्मैं राजेश खन्ना की प्रार्थना सभा समेत कई एक्टर्स की प्रार्थना सभाओं में गया हूं, जिसमें मैं अमिताभ बच्चन के बगल में बैठा था। मैं यश चोपड़ा की प्रार्थना सभा में भी गया था, लेकिन मैंने धरम जी की प्रार्थना सभा जैसी कोई प्रार्थना सभा कभी नहीं देखी। ऐसा लगा जैसे पूरा देश वहां मौजूद था। ऐसा कोई नहीं था जो आना नहीं चाहता था। मनोज देसाई ने कहा, मुझे हेमा जी के न आने पर आश्चर्य नहीं हुआ। किसी भी विवाद या ऐसी किसी बात के होने से पहले ही उन्होंने उनके लिए अलग से प्रार्थना सभा का आयोजन कर दिया था। अच्छा हुआ कि वह नहीं आईं। हेमा और ध र्मेंद्र जी बहुत करीबी थे, लेकिन अगर किसी ने उन्हें कुछ कह दिया होता, तो पूरी प्रार्थना सभा गड़बड़ हो जाती। इसलिए, यह अच्छा हुआ कि उन्होंने अलग से प्रार्थना सभा का आयोजन किया।

मां के बिना ऋतिक रोशन की एक्स वाइफ का जीना हुआ मुश्किल, बयां किया अपना दर्द

सुजैन खान को अपनी मां जरीन खान को खोए 40 दिन हो गए हैं। अपनी परी को याद करते हुए, डिजाइनर ने बताया कि वह अपनी मां को हर समय याद करती हैं। सुजैन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी मां के साथ कुछ दुर्लभ पलों का एक वीडियो कंपाइलेशन पोस्ट किया। उनके इस पोस्ट से अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह अपनी मां को किस कदर मिस कर रही हैं। यह कहते हुए कि जब वह अपनी मां का खूबसूरत चेहरा याद करती हैं तो सब कुछ थम जाता है, सुजैन ने लिखा–मेरी मम्मी परी... जब मैं आपके चेहरे के बारे में सोचती हूं तो सब कुछ रुक जाता है... आज आपकी आत्मा हमसे 40 दिन दूर है... हमारी सबसे शानदार मदरशिप के लिए... मैं धन्य हूं क्योंकि आपने मुझे अपना चुना... मैं हर तरह से हर दिन आपकी ही रहूंगी... आपको हर समय याद करती हूं... और उसके बीच में भी (लाल दिल, हाथ ऊपर उठाना, और मुट्ठी ऊपर उठाना इमोजी) आपकी हमेशा की बच्ची सुजी (लाल दिल इमोजी)। सुजैन ने अपनी पोस्ट को एक दिल पिघला देने वाले नोट के साथ खत्म किया, प्यै. चलो जीवन के हर संघर्ष में मेरे सपनों में एक साथ नाचते हैं। मुझे पता है कि मैं आपकी वजह से जीत जाऊंगी (आंसू रोकते हुए चेहरा इमोजी)। सुजैन अपनी दिवंगत मां के लिए अपनी तड़प व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही हैं, साथ ही समय–समय पर उनकी कुछ अनदेखी तस्वीरें और वीडियो भी शेयर कर रही हैं। अपनी हालिया पोस्ट में से एक में, उन्होंने अपनी दिवंगत मां को बहुत गर्व महसूस कराने का वादा किया। अपनी मां को दिल से श्रद्धांजलि देते हुए, सुजैन ने शेयर किया–खामोशी से परे... मैं अपने विचारों में आपकी आवाज सुनती हूं। मैं फराह, सिमोन, मलाइका और जायेद के गले लगने में आपका प्यार महसूस करती हूं, मैं अपने हरेहान के विचारों में आपकी समझदारी सुनती हूं, मैं ह्रदान की कला में आपकी उत्कृष्टता देखती हूं, मैं पापा की आंखों में आपकी ताकत देखती हूं। आप मुझमें और हम सब में हैं... हम हर काम और हर कर्म में आपके दिल की चमक को जलाए रखेंगे। उन्होंने आगे कहा–मैं अपनी बाकी जिंदगी हर दिन थोड़ा और आपके जैसा बनने के लिए समर्पित करती हूं.. आप मेरी संत और मेरी मदर पावर हैं और मैं आपसे वादा करती हूँ कि मैं आपको मुझ पर बहुत गर्व महसूस कराऊँगी... हर दिन थोड़ा और। (पीला दिल और प्रार्थना करते हाथों वाले इमोजी),

बार-बार होंठों पर पपड़ी जमना कहीं इस बीमारी का संकेत तो नहीं? शुरुआती लक्षणों को पहचानें

अक्सर होंठों पर पपड़ी जमने को लोग पानी की कमी, ठंडे मौसम या रूखेपन से जोड़कर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन अगर यह समस्या लंबे समय तक बनी रहे और ठीक न हो, तो यह किसी गंभीर बीमारी, यहां तक कि होंठों के कैंसर का शुरुआती संकेत भी हो सकती है। सर्दियों में स्किन पहले से ही ड्राई हो जाती है और लापरवाही की वजह से होंठ भी फटने लगते हैं। शुरुआत में यह सामान्य लग सकता है, लेकिन अगर पपड़ी बार–बार जम रही है, दर्द हो रहा है या घाव ठीक नहीं हो रहा, तो सावधान हो जाना जरूरी है। डॉक्टर के अनुसार, कई मामलों में यह विटामिन की कमी से भी हो सकता है, लेकिन सही वजह जानने के लिए डॉक्टर से जांच कराना बेहद जरूरी है।

होंठों का कैंसर क्या है?

होंठों का कैंसर तब होता है जब होंठों की कोशिकाएं अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं। आमतौर पर यह बीमारी होंठ के निचले हिस्से में ज्यादा देखने को मिलती है। इसमें एक ऐसा घाव या गांठ बन जाती है जो लंबे समय तक ठीक नहीं होती। यह बीमारी अचानक नहीं होती, बल्कि धीरे–धीरे इसके शुरुआती लक्षण दिखाई देने लगते हैं, जिन्हें समय रहते पहचानना बहुत जरूरी है।

होंठों के कैंसर के 3 शुरुआती लक्षण

होंठ पर घाव या गांठ का बनना।

होंठों पर लाल या सफेद धब्बे दिखाई देना।

होंठों पर मोटी और सख्त पपड़ी जमना।

कैंसर से पहले होंठ कैसे दिखते हैं?

कैंसर के शुरुआती स्टेज में होंठों पर या मुंह के आसपास बार–बार पपड़ी जमना, रंग बदलना या सूजन नजर आने लगती है। धीरे–धीरे यह गांठ या न भरने वाले घाव का रूप ले सकता है। यह समस्या किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है, इसलिए मुंह या होंठों पर किसी भी बदलाव को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

होंठों का कैंसर क्यों होता है?

एक्सपर्ट्स के अनुसार, होंठों का कैंसर कई वजहों से हो सकता है। लगातार धूम्रपान करना या तंबाकू–गुटखा खाने से होंठों की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचता है, जिससे कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, लंबे समय तक तेज धूप में रहने से भी होंठों पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। शराब का अधिक सेवन और केमिकल युक्त कॉस्मेटिक प्रोडक्ट्स का लगातार इस्तेमाल भी होंठों के कैंसर की आशंका को बढ़ा सकता है।

क्या होंठों का कैंसर ठीक हो सकता है?

हां, अगर होंठों के कैंसर की समय रहते पहचान हो जाए, तो इसका इलाज संभव है। शुरुआती स्टेज में सर्जरी और रेडिएशन थेरेपी के जरिए इस बीमारी को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसलिए होंठों पर किसी भी तरह का घाव, गांठ या लगातार पपड़ी जमने जैसे लक्षणों को नजरअंदाज करने के बजाय तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना बेहद जरूरी है।

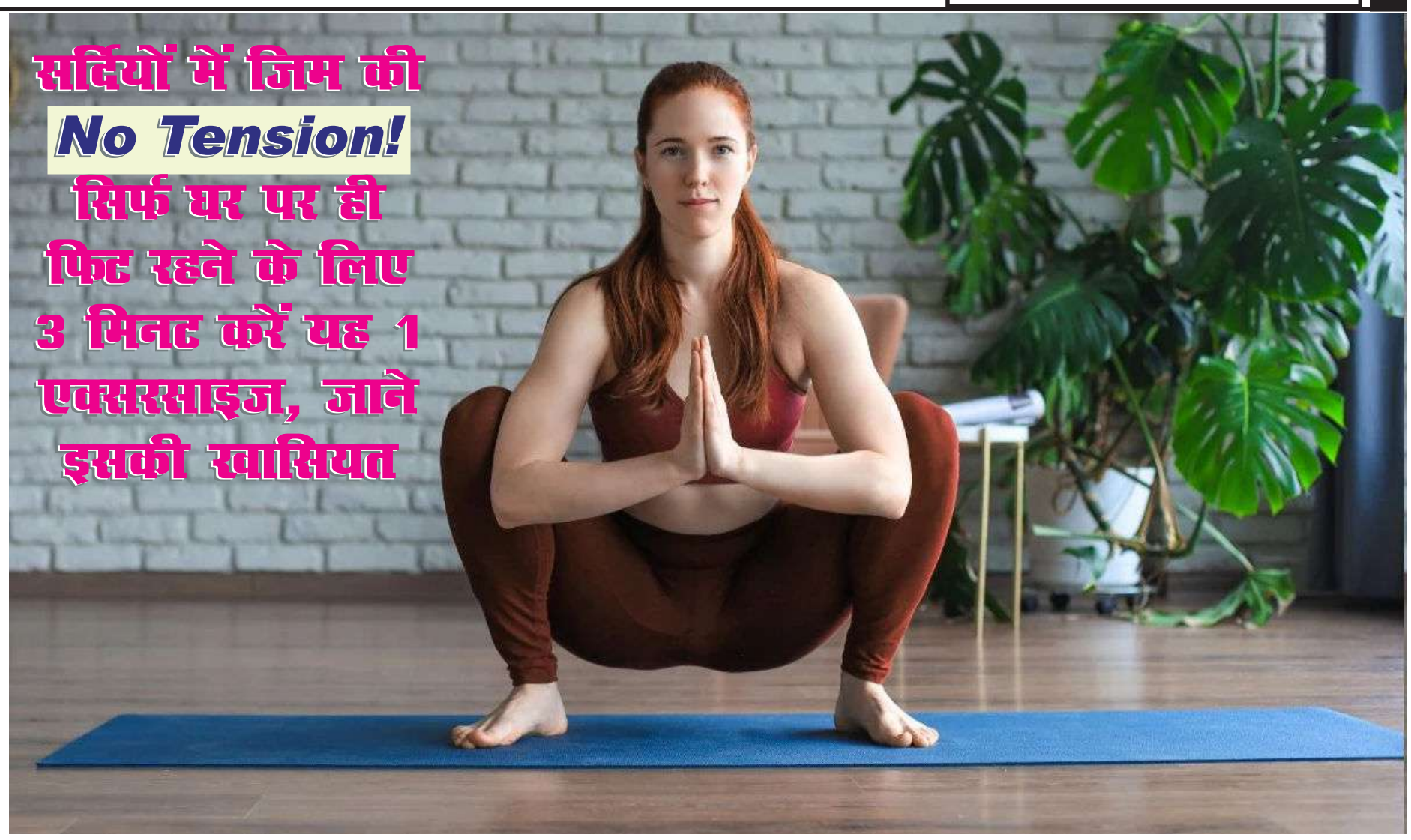

सर्दियों में जिम की No Tension! सिर्फ घर पर ही फिट रहने के लिए 3 मिनट करें यह 1 एक्सरसाइज, जाने इसकी खासियत

क्या आप फिट रहना चाहती हैं, लेकिन सर्दियों में रजाई छोड़कर बाहर निकलना मुश्किल लगता है? ठंडी सुबह, सुस्ती और समय की कमी अक्सर नियमित व्यायाम में बाधा बन जाती है। ऐसे में परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हम आपको एक ऐसी सरल एक्सरसाइज बता रहे हैं, जिसे आप बिना किसी उपकरण के घर पर ही करके अपनी फिटनेस बनाए रख सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में रजाई से निकलना बेहद ही मुश्किल होता है। विंटर में जिम जाना या लंबी एक्सरसाइज करना भी नामुमकिन लगता है। यदि आप भी फिट रहना चाहती हैं, लेकिन ठंड की वजह से एक्सरसाइज नहीं करती, तो अब आपको चिंता करने की कोई जरुरत नहीं हैं। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि घर में आसान तरीके से असरदार एक्सरसाइज करने से आप फिट नजर आएगी। रोजाना केवल 3 मिनट के लिए फिट और एक्टिव रह सकती हैं। यह एक्सरसाइज मालासन वॉक है। फिटेनस एक्सपर्ट के मुताबिक, मालासन वॉक महिलाओं के शरीर के लिए खासतौर पर फायदेमंद होती है। यह फिटनेस को बढ़ाती है और हार्मोनल बैलेंस और रिप्रोडक्टिव हेल्थ में भी काफी सहायक है।

क्या है मालासन वॉक?

मालासन एक स्कवाट पोज है, जिसमें पैरों को थोड़ा फैलाकर बैठा जाता है। फिर इसी पोज में धीरे–धीरे आगे बढ़ा जाता है, तो इसे मालासन वॉक कहते हैं। इसको आप घर के अंदर या खुले स्थान पर कहीं भी आराम से कर सकते हैं।

मालासन वॉक कैसे करें?

– इसके लिए पैरों को थोड़ा चौड़ा करके स्क्वाट पोज में बैठ जाएं।

– अब पीठ सीधी रखें और दोनों हाथ सामने या नमस्कार मुद्रा में रखें।

– इसी पोजिशन में छोटे–छोटे कदमों से आगे बढ़े।

– शुरु–शुरु में 30 सेकेंड से शुरु करें और धीरे–धीरे 3 मिनट तक करें।

मालासन वॉक के फायदे

– इस एक्सरसाइज करने से महिलाओं की फर्टिलिटी बढ़ाने में सहायक होती है।

– पीरियड्स को रेगुलेट करती है और क्रैम्प्स कम करती है।

– कब्ज को राहत दिलाती है और डाइजेशन को सुधारती है।

– यह एक्सरसाइज करने से लोअर बैक और हिप्स में मजबूती आती है।

– यह लोअर बॉडी को टोन भी करती है।

– यदि आप तेजी से कैलोरी बर्न करना चाहती हैं, तो इसे रोजाना करें।

– इसके अलावा, सेक्सुअल एनर्जी को बैलेंस करती है और इमोशनल ब्लॉकेज रिलीज करती है।

क्या है इस एक्सरसाइज की खासियत?

मालासन वॉक उन महिलाओं के लिए एक आसान और प्रभावी व्यायाम है, जिनके पास समय की कमी होती है या जो कठिन वर्कआउट नहीं कर पातीं। यह एक्सरसाइज हर उम्र की महिलाओं के लिए सुरक्षित मानी जाती है और सर्दियों के मौसम में शरीर को अंदर से गर्म रखने में भी मदद करती है।

सर्दी में बॉलीवुड एक्ट्रेसेस से साड़ी स्टाइल करने का इंस्पिरेशन लें, हर कोई करेगा तारीफ

सर्दियों में साड़ी पहनना कई लोगों को मुश्किल लग सकता है, लेकिन सही स्टाइलिंग के साथ यह मौसम साड़ी के लिए बेहद खूबसूरत और रॉयल बन जाता है। बॉलीवुड अभिनेत्रियों ने कई बार साबित किया है कि ठंड के दिनों में भी साड़ी को स्मार्ट और स्टाइलिश अंदाज में कैसे कैरी किया जा सकता है।

खासतौर पर भारतीय नारी साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आती है। साड़ी एक प्रकार से ट्रेडिशनल पोशाक मानी जाती है। हालांकि, सर्दियों के मौसम में इस पहनने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सर्दी के कारण अक्सर साड़ी को अनकंफर्टेबल समझा जाता है, जबकि सही फैब्रिक, लेयरिंग और स्टाइलिंग इस मौसम में भी चार चांद लगा सकता है। ऐसे में आप बॉलीवुड एक्ट्रेसेस से इंस्पायर होकर साड़ी को बेहद ही एलिगेंट, ग्रेसफुल और ट्रेंडी तरीके से पहन सकते हैं। आप सर्दियो में वेलवेट साड़ियों से लेकर फुल स्लीव्स ब्लाउज, जैकेट स्टाइलिंग और शॉल लियरिंग करके, विंटर साड़ी लुक को स्टाइल कर सकते हैं।

सर्दियों में साड़ी स्टाइल करने के आसान और ट्रेंडी टिप्स–

गर्म व हैवी फैब्रिक का चयन करें

विंटर में आप वेलवेट, बनारसी सिल्क, कांजीवरम सिल्क, ऊनी साड़ियां या टिश्यू सिल्क ठंड के मौसम के लिए एकदम परफेक्ट हैं। यह ना सिर्फ शरीर को गर्म रखती हैं बल्कि लुक को भी रिच और एलिगेंट बनाती हैं।

फुल स्लीव्स या हाई–नेक ब्लाउज पहनें

अगर आप सर्दियों में ब्लाउज का सही चयन करते हैं, तो यह सोने पर सुहागा है। फुल स्लीव्स, हाई–नेक या कॉलर वाले ब्लाउज ठंड से बचाते हैं और साड़ी लुक को क्लासी टच देते हैं। वेलवेट, ब्रॉकेड या सिल्क ब्लाउज विंटर के लिए एकदम परफेक्ट हैं।

जैकेट, शॉल या केप से करें लेयरिंग

आप चाहें तो साड़ी के ऊपर जैकेट, केप या कढ़ाईदार शॉल पहनना विंटर स्टाइलिंग का सबसे स्मार्ट तरीका है। यह ना सिर्फ आपको गर्म रखता है बल्कि साड़ी को इंडो–वेस्टर्न व मॉडर्न लुक दे सकते हैं।

इनर लेयर पर ध्यान दें

जब आप साड़ी पहनें तो अंदर थर्मल या फुल स्लीव्स इनर टॉप पहन सकती हैं। इससे ठंड से बचाव किया जाता है और साड़ी का शेप भी खराब नहीं होता है। इस तरह की ट्रिक को आप ओपन जगहों पर होने वाले फंक्शन्स के लिए उपयोगी हो सकती है।

स्वेटर या टर्टल नेक के साथ एक्सपेरिमेंट करें

यदि आप कुछ हटकर ट्राई करना चाहती हैं, तो साड़ी के साथ फाइन निट स्वेटर या टर्टल नेक ब्लाउज पहन सकती हैं। यह इंडो–वेस्टर्न स्टाइल ठंड में भी आपको स्टाइलिश बनाए रखेगा।

पैरों में बार-बार दर्द उठने के ये हैं 7 कारण, हर किसी को होनी चाहिए इसकी जानकारी

पैरों में ऐंठन को अक्सर एक छोटी–मोटी परेशानी मानकर नजरअंदाज कर दिया जाता है– इसका कारण डिहाइड्रेशन, थकान या पूरे दिन खड़े रहना बताया जाता है। लेकिन पैरों में बार–बार ऐंठन आपके शरीर का किसी ज्यादा गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। डॉक्टरों की मानें तो पैरों में ऐंठन कई अंदरूनी स्वास्थ्य समस्याओं की ओर इशारा कर सकती है जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आपके पैर आपको क्या बताने की कोशिश कर रहे हैं, यह समझना समस्याओं को जल्दी पहचानने और लंबे समय तक स्वास्थ्य की रक्षा करने में बहुत बड़ा फर्क ला सकता है।

पैरों में ऐंठन के 7 कारण

इलेक्ट्रोलाइट असंतुलनः सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम या मैग्नीशियम की कमी से मांसपेशियां अचानक सिकुड़ सकती हैं।

खून का संचार ठीक न होनाः पैरों में रक्त प्रवाह कम होने पर खासकर चलने या सोते समय ऐंठन होती है।

डायबिटीजः डायबिटीज में नसों को नुकसान (न्यूरोपैथी) होने से पैरों में दर्द और ऐंठन हो सकती है।

किडनी से जुड़ी समस्याएंः किडनी ठीक से काम न करे तो शरीर में मिनरल्स का संतुलन बिगड़ जाता है।

थायरॉइड डिसऑर्डरः हाइपोथायरॉइडिज्म में मांसपेशियों की कमजोरी और ऐंठन आम है।

कुछ दवाओं का साइड इफेक्टः बीपी, कोलेस्ट्रॉल या डाययुरेटिक दवाएं ऐंठन का कारण बन सकती हैं।

लंबे समय तक बैठना या गलत पोस्चरः एक ही स्थिति में देर तक बैठे रहने से मांसपेशियां अकड़ जाती हैं।

कब सतर्क हो जाएं?

अगर ऐंठन बार–बार हो, रात में नींद टूटे, दर्द के साथ सुन्नपन या जलन भी हो आराम करने पर भी ठीक न हो तो डॉक्टर को एक बार जरूर दिखाएं। ऐसे में पैरों में ऐंठन को हल्के में न लें। यह सिर्फ पानी की कमी नहीं, बल्कि किसी गंभीर स्वास्थ्य समस्या का शुरुआती संकेत भी हो सकती है।

संक्षिप्त

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में Flipkart का निवेश! Minivet A में बहुमत हिस्सेदारी हासिल की, भविष्य की तकनीक पर फोकस

ई–कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने शुक्रवार को कहा कि उसने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग सॉल्यूशंस प्रोवाइडर कंपनी मिनिवेट ।प में मेजॉरिटी हिस्सेदारी हासिल कर ली है। वॉलमार्ट समर्थित ई–कॉमर्स कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि यह अधिग्रहण जनरेटिव एआई की मुख्य क्षमताओं को विकसित करने और उनमें निवेश करने के लिए एक रणनीतिक कदम है। इसने हालांकि अधिग्रहण के वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया। बयान में कहा गया,'' भारत की घरेलू ई–कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने आज घोषणा की कि उसने 2024 में स्थापित एक नवोन्मेषी एआई/एमएल समाधान प्रदाता मिनिवेट एआई में बहुमत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए निश्चित दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए हैं। मिनिवेट ।प ई–कॉमर्स के लिए जेनरेटिव वीडियो पर फोकस करता है, जो स्टैटिक प्रोडक्ट कैटलॉग को बड़े पैमाने पर रिच, आकर्षक वीडियो कंटेंट में बदल देता है। फ्लिपकार्ट के अनुसार, श्सोफिस्टिकेटेड मॉडल ऑर्केस्ट्रेशन और डीप परफॉर्मेंस ऑप्टिमाइजेशन की नींव पर बना यह प्लेटफॉर्म पारंपरिक प्रोडक्शन लागत के मुकाबले बहुत कम कीमत पर क्वालिटी वाले नतीजे देता है।श रिलीज़ में यह भी बताया गया है कि वीडियो के अलावा, मिनिवेट ।प ई–कॉमर्स ।प क्षमताओं का एक बड़ा सूट भी देता है, जो कंपनी को एक फुल–स्टैक ।प पार्टनर और ऑनलाइन रिटेल प्लेटफॉर्म के लिए एक मूलभूत ळमद।प क्षमता के रूप में स्थापित करता है। यह इन्वेस्टमेंट फ्लिपकार्ट के लॉन्ग–टर्म टेक्नोलॉजी पोर्टफोलियो को मज़बूत करता है, जिससे यह पक्का होता है कि कंपनी डिजिटल कॉमर्स इनोवेशन में सबसे आगे रहे। यह अधिग्रहण सामान्य क्लोजिंग शर्तों के पूरा होने पर निर्भर है।

शाश्वत शर्मा एक जनवरी से Airtel CEO का दायित्व संभालेंगे

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसके नामित मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शाश्वत शर्मा एक जनवरी, 2026 से कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ का पद संभालेंगे। कंपनी के निदेशक मंडल ने मौजूदा वाइस चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (एमडी) गोपाल विट्टल को कार्यकारी वाइस चेयरमैन के रूप में नियुक्त करने को भी मंजूरी दी है। यह नियुक्ति पांच साल के लिए होगी और शेयरधारकों की स्वीकृति पर निर्भर करेगी। इसके अलावा, निदेशक मंडल ने सौमेन

रे को समूह मुख्य वित्तीय अधिकारी (ग्रुप सीएफओ) और अखिल गर्ग को सीएफओ (एयरटेल इंडिया) नियुक्त करने को भी मंजूरी दी। ये नियुक्तियां भी एक जनवरी से प्रभावी होंगी। भारती एयरटेल ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि निदेशक मंडल की मानव संसाधन एवं नामांकन समिति के सुझावों पर इन नियुक्तियों को मंजूरी दी गई। कंपनी ने एक बयान में कहा, विट्टल नई भूमिका में समूह की सभी कंपनियों की निगरानी करेंगे और डिजिटल, नेटवर्क रणनीति, खरीद तथा प्रतिभा प्रबंधन में समूह तालमेल बढ़ाने के साथ भविष्य की रणनीति तैयार करेंगे। शाश्वत शर्मा ने पिछले 12 महीनों में नामित सीईओ के तौर पर विट्टल के साथ काम किया और अब अपने नए पद पर उन्हें रिपोर्ट करेंगे।

भारत, ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौते से निर्यातकों के लिए नए अवसरः FIEO

निर्यातकों के शीर्ष निकाय फियो ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ओमान के बीच मुक्त व्यापार समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए नया अवसर है और यह भारत के माल और सेवाओं के निर्यात की प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत करेगा। व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) पर बृहस्पतिवार को मस्कट में हस्ताक्षर किए गए। फियो के अध्यक्ष एस सी रल्हन ने कहा कि यह समझौता भारत के माल और सेवाओं के निर्यात की प्रतिस्पर्धा को मजबूत करेगा और विशेषकर वस्त्र, परिधान, चमड़ा और जूतेजैसे श्रम–गहन उद्योगों के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि कि व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) के तहत भारतीय वस्तुओं को ओमान और खाड़ी देशों में लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क–मुक्त पहुंच मिलेगी, जिससे उनकी प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ेगी और वैश्विक बाजार में भारत की पकड़ मजबूत होगी। रल्हन ने कहा, ओमान का रणनीतिक स्थान खाड़ी और अफ्रीका के लिए महत्वपूर्ण है तथा यह समझौता भारतीय निर्यातकों को क्षेत्रीय मूल्य श्रृंखलाओं में बेहतर एकीकरण और नए बाजारों में विविधीकरण का अवसर देगा। फियो अध्यक्ष ने यह भी कहा कि यह समझौता भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर खोलने और श्रम–गहन उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने वाला कदम साबित होगा।

टी20 विश्व कप के लिए आज को घोषित होगी भारतीय टीम, मुंबई में होगी चयन समिति की बैठक

नई दिल्ली। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए शनिवार को भारतीय टीम का एलान होगा। इसके साथ ही पुरुष चयन समिति न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा करेगी। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव दोपहर 1:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करेंगे। टी20 विश्व कप का आयोजन सात फरवरी से भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होगा।

अगरकर–सूर्यकुमार करेंगे प्रेस कॉन्फ्रेंस

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की सीनियर राष्ट्रीय चयन समिति की बोर्ड के मुख्यालय में बैठक होगी जिसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी जिसमें भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार और मुख्य चयनकर्ता अगरकर मौजूद रहेंगे। भारतीय टीम शुक्रवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अहमदाबाद में पांच मैचों की टी20 सीरीज का आखिरी मुकाबला खेलेगी। बताया जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव इस मैच के बाद सीधे मुंबई पहुंचेंगे।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भी होगा टीम का चयन

भारतीय टीम को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलनी है जिसके बाद पांच मैचों की टी20 सीरीज भी खेली जाएगी। माना जा रहा है टी20 विश्व कप से पहले भारतीय टीम की यह आखिरी द्विपक्षीय सीरीज होगी। चयन समिति टी20 विश्व कप के साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भी टीम का चयन करेगी। भारतीय टीम इस वैश्विक टूर्नामेंट में अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। अब तक किसी भी टीम ने टी20 विश्व कप का खिताब का सफलतापूर्वक बचाव नहीं किया है।

ज्यादातर स्थान के लिए दावेदार तय

इसमें कोई शक नहीं है कि ज्यादातर स्थान के लिए दावेदार तय हैं, लेकिन कुछ स्थान ऐसे हैं जिनके लिए माथापच्ची हो रही है। उपकप्तान शुभमन गिल की खराब फॉर्म टीम प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। उनके शामिल होने से संजू सैमसन को मध्यक्रम में भेजा गया था, लेकिन अब वह पिछले कुछ मैच से अंतिम एकादश से भी बाहर हैं। वहीं, गिल चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथे टी20 मैच में भी नहीं खेले थे।

भारत ग्रुप ए में शामिल

भारत ने 2024 में रोहित शर्मा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। भारत इस टूर्नामेंट में खिताब बचाने के इरादे से उतरेगा। यह इस टूर्नामेंट का 10वां संस्करण होगा। भारत के अलावा ग्रुप ए में पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड्स और नामीबिया की टीम है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया, सह–मेजबान श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान हैं। ग्रुप सी में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश, नेपाल और इटली मौजूद हैं। वहीं, ग्रुप डी में न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, अफगानिस्तान, कनाडा और यूएई की टीम है।

टूर्नामेंट में भारत का कार्यक्रम

भारत टूर्नामेंट में अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के खिलाफ सात फरवरी को करेगा। यह मुकाबला मुंबई में खेला जाएगा। इसके बाद भारत और नामीबिया के बीच मैच नई दिल्ली में 12 फरवरी को खेला जाएगा। फिर भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को टूर्नामेंट का महामुकाबला कोलंबो के आर प्रेमादासा स्टेडियम में खेला जाएगा। दरअसल, आईसीसी, बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच समझौते के तहत 2027 तक भारत और पाकिस्तान के सभी मैच तटस्थ स्थल पर होंगे। यही कारण है कि दोनों टीमों के बीच मैच की मेजबानी कोलंबो करेगा। भारत ग्रुप चरण में अपना आखिरी मैच अहमदाबाद में 18 फरवरी को खेलेगा।

गौतम गंभीर कोच नहीं, मैनेजर हैं : कपिल देव

भारत के पहले विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने गौतम गंभीर के काम करने के तरीके को लेकर हो रही आलोचनाओं के बीच गुरुवार को कहा कि आज के समय में मुख्य कोच की भूमिका खिलाड़ियों को असल में कोचिंग देने से अधिक उनका 'प्रबंधन' करने की है। दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट श्रृंखला में 0–2 से हार के बाद गंभीर भारत के मुख्य कोच के तौर पर आलोचनाओं के घेरे में आ गए हैं और खिलाड़ियों को लगातार रोटेट करने और कामचलाऊ खिलाड़ियों पर निर्भर रहने की उनकी रणनीति की आलोचना हुई है। कपिल ने कहा कि समकालीन क्रिकेट में 'कोच' शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है। कपिल ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स आईसीसी शताब्दी सत्र में कहा, ''आज वह शब्द जिसे कोच कहते हैं... 'कोच' आज बहुत आम शब्द है। गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते। वह टीम के मैनेजर हो सकते हैं।'' उन्होंने कहा, ''जब आप कोच कहते हैं तो कोच वह होता है जिससे मैं स्कूल और कॉलेज में सीखता हूं। वे लोग मेरे कोच थे। वे मुझे मैनेज कर सकते हैं।'' कपिल ने कहा, ''आप कोच कैसे हो सकते हैं। गौतम लेग स्पिनर या विकेटकीपर के कोच कैसे हो सकते हैं?'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आपको मैनेज करना होगा। यह अधिक महत्वपूर्ण है। एक मैनेजर के तौर पर आप उन्हें प्रोत्साहन देते हैं कि आप यह कर सकते हैं क्योंकि जब आप मैनेजर बनते हैं तो युवा लड़के आप पर भरोसा करते हैं।'' कपिल ने कहा कि अगर सुनील गावस्कर इस दौर में खेलते तो वह सर्वश्रेष्ठ टी20 बल्लेबाज होते। उन्होंने कहा, ''मुझे क्रिकेट में सब कुछ पसंद है – टी20, टी10, वनडे, सब कुछ। मैं हमेशा एक बात और कहता हूं।

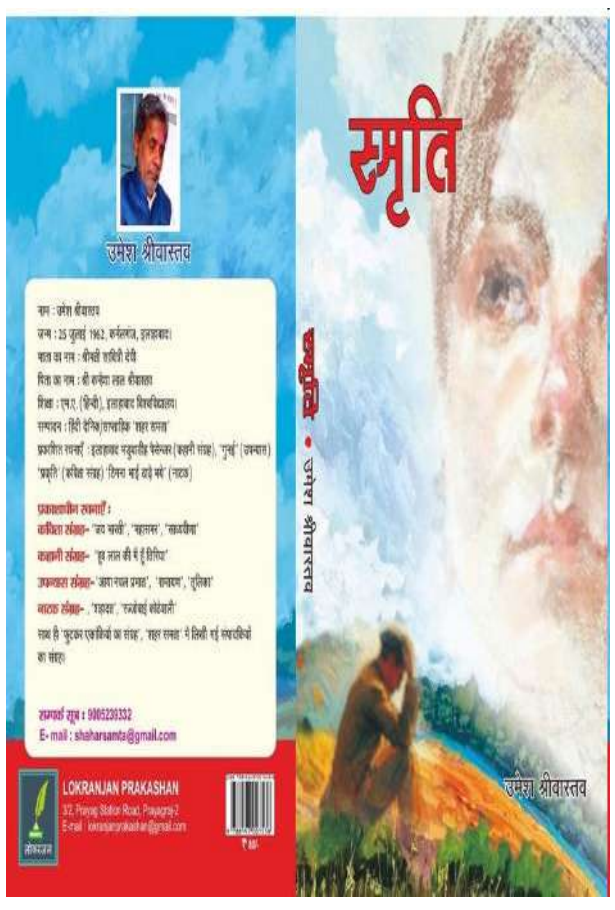

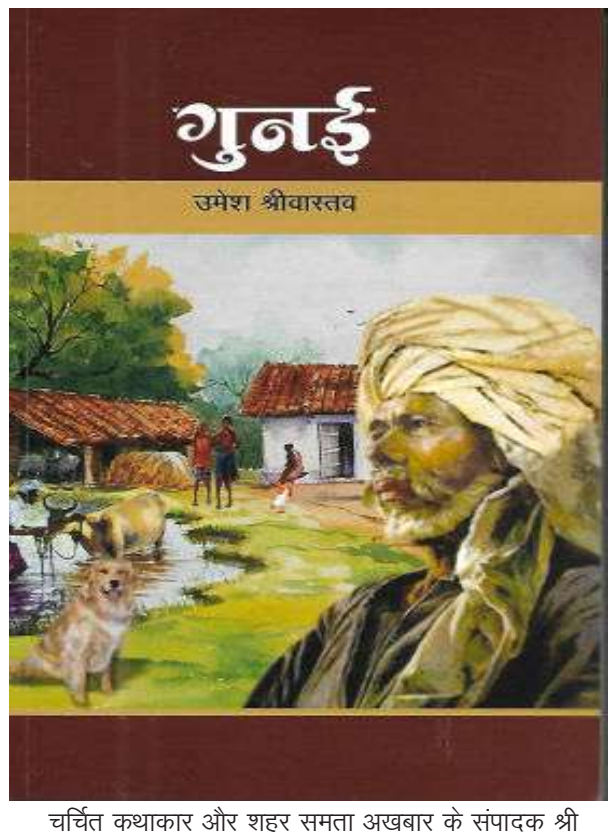

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

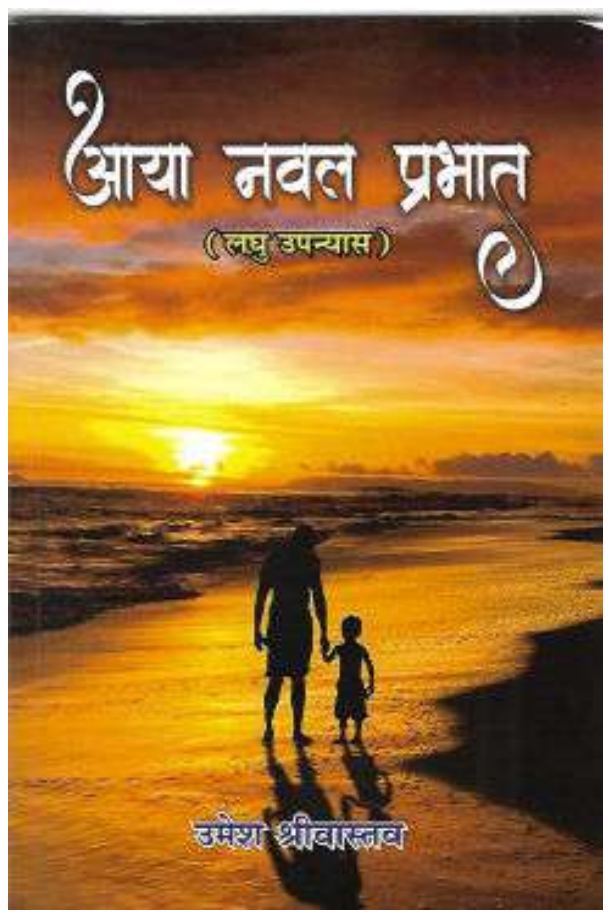

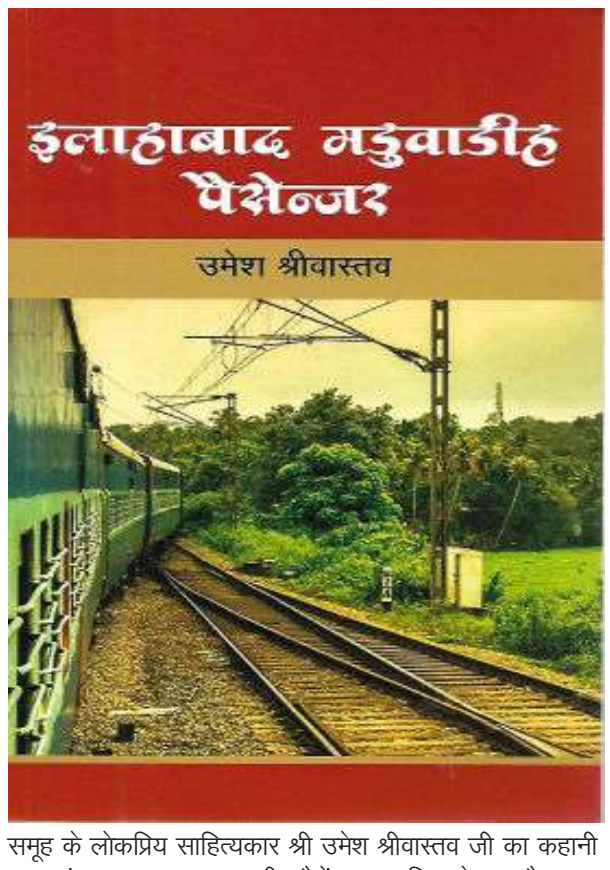

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

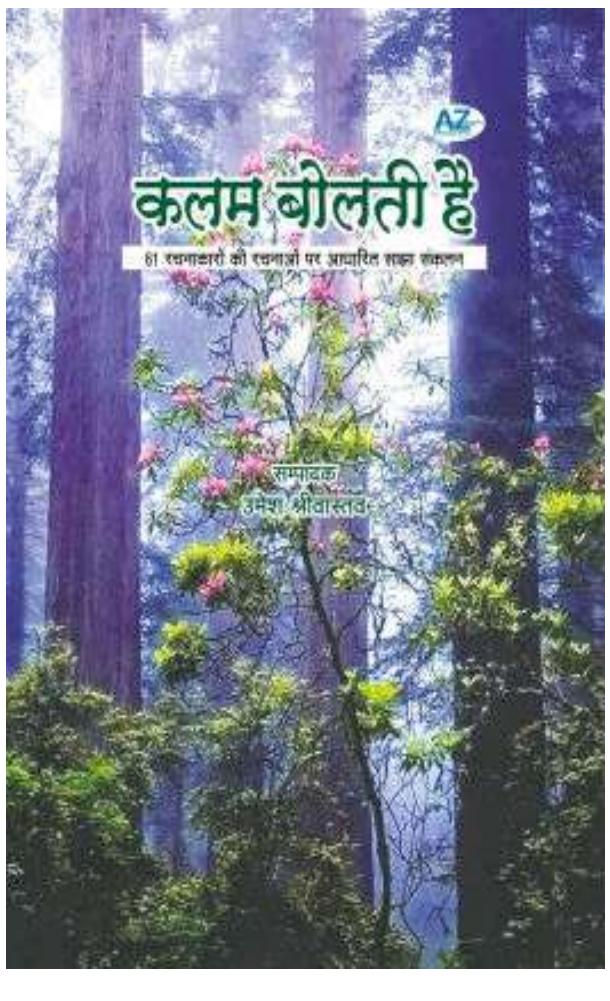

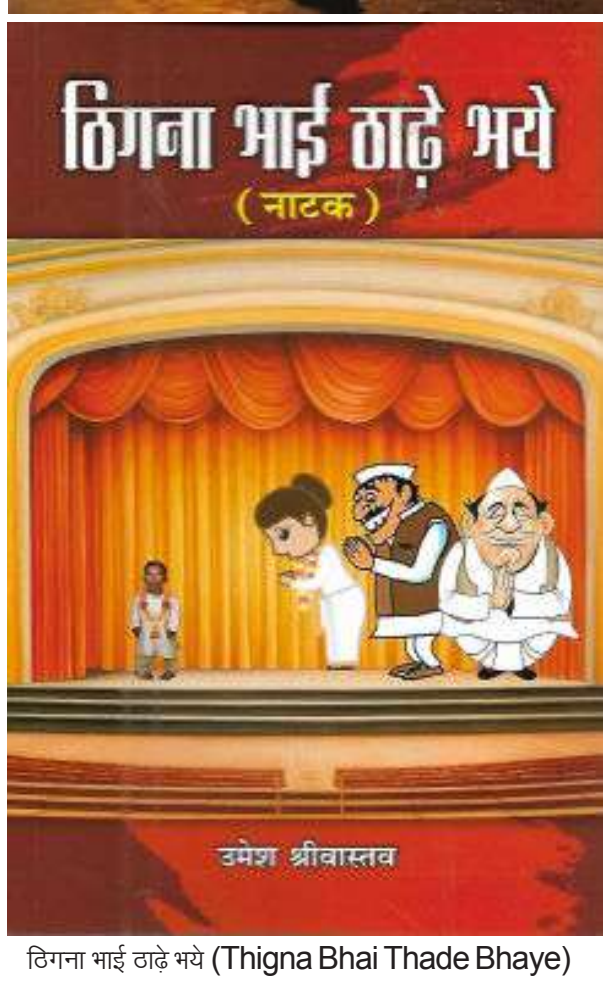

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

बांग्लादेश जल उठा, शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद हालात हुए बेकाबू, भारत के लिए 1971 के बाद सबसे बड़ी चुनौती खड़ी हुई

बांग्लादेश की राजधानी ढाका गुरुवार रात से भीषण अशांति की चपेट में है। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कट्टर आलोचक और युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद हालात बेकाबू हो गए हैं। भारतीय मिशन के एक अधिकारी पर हमले की भी खबर है। हम आपको बता दें कि 32 वर्षीय हादी की गुरुवार को सिंगापुर के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। 12 दिसंबर को ढाका में रिक्शा से जाते समय बाइक सवार नकाबपोश हमलावरों ने उन्हें गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए विदेश भेजा गया था, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। हादी पर हमला ऐसे समय में हुआ था जब बांग्लादेशी प्रशासन ने 2024 के जनउभार के बाद पहली बार आम चुनाव की तारीख घोषित की थी। हादी इन चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में उतरने की तैयारी कर रहे थे। उनकी मौत की खबर फैलते ही ढाका की सड़कों पर सैंकड़ों समर्थक उतर आए और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गए। राजधानी में कम से कम तीन जगहों पर आगजनी की घटनाएं सामने आईं। इनमें देश के दो प्रमुख अखबार द डेली स्टार और प्रथम आलो के दफ्तर भी शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने पहले दफ्तरों में तोड़फोड़ की और फिर आग लगा दी। आग लगने के वक्त कई पत्रकार और कर्मचारी इमारतों के भीतर फंसे रह गए। द डेली स्टार की पत्रकार ज़ायमा इस्लाम ने सोशल मीडिया पर लिखा, "मैं सांस नहीं ले पा रही हूं, चारों तरफ धुआं है, मैं अंदर फंसी हूं, आप मुझे मार रहे हैं।" दमकल कर्मियों और सेना की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद कम से कम 25 पत्रकारों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस और सेना को इलाके में तैनात करना पड़ा। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि अंतरिम नेता मोहम्मद यूनुस के प्रति अपेक्षाकृत नरम रुख रखने वाले इन मीडिया संस्थानों को ही क्यों निशाना बनाया गया। हिंसा यहीं नहीं रुकी। प्रदर्शनकारियों ने ढाका में भारत के उप–उच्चायुक्त के आवास को भी घेर लिया, जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। चिटगांव में एक पूर्व मंत्री के घर पर हमला हुआ, एक प्रमुख राजमार्ग जाम कर दिया गया और ढाका की सांस्कृतिक संस्था छायानट में भी तोड़फोड़ की गई। शाहबाग चौराहे पर बड़ी भीड़ "तुम कौन हो, हम कौन हैं, हादी, हादी" जैसे नारे लगाती रही। छात्र संगठन और नेशनल सिटिजन पार्टी (छब्ब्) भी आंदोलनों में शामिल हो गई। एनसीपी नेताओं ने आरोप लगाया कि हादी के हमलावर भारत भाग गए हैं और जब तक उन्हें लौटाया नहीं जाता, तब तक बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग बंद रखने की धमकी दी। इसी बीच, भारत की संसद की विदेश मामलों की स्थायी समिति ने चेतावनी दी है कि बांग्लादेश में उभरते हालात भारत के लिए 1971 के मुक्ति संग्राम के बाद सबसे बड़ी सामरिक चुनौती बन सकते हैं। समिति के अनुसार, बढ़ता इस्लामवादी प्रभाव, कमजोर होती राजनीतिक संस्थाएं और चीन–पाकिस्तान की बढ़ती दखलंदाजी क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। देखा जाये तो बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, वह केवल एक नेता की हत्या के बाद भड़की भीड़ का उन्माद नहीं है। यह उस राजनीतिक ज्वालामुखी का विस्फोट है, जो लंबे समय से भीतर ही भीतर पक रहा था। शरीफ उस्मान हादी की मौत एक चिंगारी है, लेकिन आग उस अस्थिर व्यवस्था की है, जो शेख हसीना के पतन के बाद दिशाहीन हो चुकी है। मीडिया संस्थानों पर हमले, पत्रकारों को जिंदा जलाने की कोशिश, सांस्कृतिक संस्थाओं की तोड़फोड़, ये सभी संकेत हैं कि बांग्लादेश में असहमति के लिए अब कोई सुरक्षित जगह नहीं बची। यह वही देश है जिसने कभी 1971 में अभिव्यक्ति की आज़ादी और लोकतंत्र के नाम पर जन्म लिया था। आज वही देश भीड़तंत्र और कट्टरपंथ की गिरफ्त में फिसलता दिख रहा है। भारत के लिए यह स्थिति केवल पड़ोसी देश की आंतरिक समस्या नहीं है। भारत–बांग्लादेश की 4,000 किलोमीटर से अधिक लंबी सीमा है, जो पहले से ही अवैध घुसपैठ, तस्करी और कट्टरपंथी नेटवर्क के लिहाज़ से संवेदनशील मानी जाती है। अगर ढाका में सत्ता कमजोर होती है और सड़कों पर इस्लामवादी तथा उग्र राष्ट्रवादी ताकतें मजबूत होती हैं, तो उसका सीधा असर भारत की आंतरिक सुरक्षा पर पड़ेगा। सबसे खतरनाक संकेत भारत–विरोधी नारे और भारतीय दूतावास को निशाना बनाने की धमकियां हैं। हादी के हमलावरों के भारत भागने का आरोप लगाकर माहौल को जानबूझकर ज़हरीला बनाया जा रहा है। यह रणनीति नई नहीं है, जब भी बांग्लादेश में संकट गहराता है, भारत को खलनायक बनाने की कोशिश होती है। इसके पीछे बड़ा भू–राजनीतिक खेल भी है। चीन पहले ही बांग्लादेश में बंदरगाह, इंफ्रास्ट्रक्चर और सैन्य सहयोग के ज़रिए गहरी पैठ बना चुका है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसियां इस्लामवादी गुटों के ज़रिए माहौल को भड़काने का पुराना रिकॉर्ड रखती हैं। अगर बांग्लादेश का सामरिक झुकाव भारत से हटकर चीन–पाकिस्तान धुरी की ओर जाता है, तो यह पूर्वोत्तर भारत के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है। देखा जाये तो भारत को अब कठोर रणनीति अपनानी होगी। सीमा सुरक्षा को और मजबूत करना, खुफिया निगरानी बढ़ाना और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बांग्लादेश के हालात पर साफ़ और सख्त रुख अपनाना ज़रूरी है। बहरहाल, बांग्लादेश आज एक चौराहे पर खड़ा है, या तो वह लोकतंत्र, संस्थाओं और संतुलित विदेश नीति की राह चुने, या फिर कट्टरपंथ, अराजकता और बाहरी ताकतों के हाथों मोहरा बने। भारत के लिए यह समय हर मोर्चे पर तैयार रहने का है। 1971 के बाद की सबसे बड़ी चुनौती दरवाज़े पर खड़ी है।

संक्षिप्त

यूरोपीय संघ के नेता यूक्रेन को 106 अरब डॉलर का ऋण देने पर सहमत हुए

यूरोपीय संघ के नेताओं ने शुक्रवार को यूक्रेन को अगले दो वर्षों में उसकी सैन्य और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बड़ा ब्याज–मुक्त ऋण देने पर सहमति जताई। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतोनियो कोस्टा ने यह जानकारी दी। कोस्टा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''हमारे

बीच समझौता हो गया है। 2026–27 के लिए यूक्रेन को 106 अरब डॉलर की सहायता देने का निर्णय मंजूर कर लिया गया है। हमने प्रतिबद्धता जताई और उसे पूरा किया।'' हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह धनराशि किस तरह जुटाई जाएगी। यूरोपीय संघ के नेता बृहस्पतिवार देर रात तक बातचीत करते रहे ताकि बेल्जियम को यह भरोसा दिलाया जा सके कि यदि वह यूक्रेन के लिए इस ऋण का समर्थन करता है, तो रूस की किसी भी संभावित जवाबी कार्रवाई से उसे बचाने के लिए आवश्यक गारंटी दी जाएगी।

हाथी को जलाने के आरोप में तीन लोग गिरफ्तार

श्रीलंकाई पुलिस ने एक जंगली हाथी को जलाने के आरोप में बृहस्पतिवार को तीन लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 42, 48 और 50 वर्ष की आयु के संदिग्धों को उत्तर–मध्य जिले अनुराधापुरा से हिरासत में लिया गया और मजिस्ट्रेट अदालत ने उन्हें 24

दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में कुछ लोगों को हाथी के पैर में चोट लगने के बाद उस पर जलती हुई मशालों से हमला करते हुए देखा जा सकता है। हाथी बुरी तरह झुलस गया था और वन्यजीव अधिकारियों के प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी थी।

गोली लगने से घायल बांग्लादेश नेता हादी की सिंगापुर में मौत, यूनुस ने जांच का वादा किया

बांग्लादेश में 'जुलाई विद्रोह' के एक प्रमुख नेता और इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की छह दिनों तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद बृहस्पतिवार रात सिंगापुर के एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गयी। पिछले सप्ताह अज्ञात बंदूकधारियों ने हादी के सिर में गोली मार दी थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, ''आज मैं आपके समक्ष अत्यंत दुखद समाचार लेकर आया हूं।'जुलाई विद्रोह' के निडर योद्धा और इंकलाब मंच के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी अब हमारे बीच नहीं रहे।'' यूनुस ने हादी के हत्यारों को पकड़ने के लिए त्वरित कार्रवाई का वादा किया और एक दिन के राजकीय शोक की घोषणा की।

बांग्लादेश में हिंदू की हत्या, फिर शव पेड़ से बांधकर लगाई आग, मचा हंगामा

बांग्लादेश पिछले कई दिनों से हिंसा और विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। हंगामे के बीच 18 दिसंबर की रात एक खबर आई कि शरीफ उस्मान बिन हादी की मौत हो गई है। इस खबर ने हालात बदतर कर दिए। उस्मान बिन हादी बांग्लादेश में इस्लामी संगठन इंकलाब मंच के प्रवक्ता थे और होने वाले चुनावों में ढाका से निर्दलीय उम्मीदवार थे। बांग्लादेश में हादी का नाम कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि उनकी मौत के बाद पूरे देश में एक दिन का राशि शोक घोषित किया गया है। साल 2024 में पूर्व राष्ट्रपति शेख हसीना की सरकार गिराने में भी हादी की अहम भूमिका थी। इसके अलावा हादी को भारत विरोधी नेता भी कह सकते हैं। हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के चलते खबरों में आए थे। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में गुरुवार रात ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। यह घटना देश में युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद जारी अशांति के बीच घटी है। हादी को पिछले सप्ताह 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए प्रचार करते समय गोली मार दी गई थी। बीबीसी बांग्ला की रिपोर्ट के अनुसार, मृतक की पहचान दीपू चंद्र दास के रूप में हुई है, जो भालुका उपजिला में एक कपड़ा कारखाने में काम करते थे। गुरुवार को रात लगभग 9 बजे (स्थानीय समय) भीड़ ने दास को घेर लिया और पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ अपमानजनक बयान देने के आरोप में उनकी पिटाई शुरू कर दी। पीट–पीटकर हत्या करने के बाद, भीड़ ने उनके शरीर को एक पेड़ से बांधकर आग लगा दी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

नाबालिगों के साथ अय्याशी, Epstein Files की 92 तस्वीरें लीक, 6 लड़कियों से घिरे ट्रंप...

सबसे सनसनीखेज खुलासा दुनिया के सबसे बड़े सेक्स स्कैंडल से पर्दा उठ रहा है। 92 तस्वीरें लीक जिसमें ट्रंप भी दिखे। इसके अलावा ऐसीऐसी हस्तियां जिन्हें देखकर आप भी चौंक जाएंगे। पूरा मामला जेफरी एपस्टीन सेक्स स्कैंडल का और उस आइसलैंड की काली कहानी के उजागर होने का अब वक्त आ गया है जहां पर तमाम दुनिया के बड़े चेहरे पहुंचे। नाबालिग लड़कियों के साथ उनकी तस्वीरें वायरल हुई। जेफरी एफस्टीन की फाइल खुलने के लिए और तारीख 19 दिसंबर 2025 जिसके बाद दुनिया भर के तमाम नेताओं में खौफ है। तमाम बिजनेसमैन डरे हुए हैं कि किसकी तस्वीर वायरल हो जाए क्योंकि तस्वीरों की संख्या आप सुनेंगे तो हैरान रह जाएंगे। 95,000 तस्वीरें जिसमें से अभी केवल 92 वायरल की गई हैं। अब एक–एक फाइल खुलेगी। एक–एक तस्वीर दिखाई जाएगी क्योंकि ट्रंप ने भी साइन कर दिया है। हालांकि ट्रंप पर ही सबसे ज्यादा सवाल हैं। कहीं पर वो चार लड़कियों के साथ घिरे हुए नजर आ रहे हैं। कहीं छह तो कहीं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ हैं जिस पर सवाल उठ रहे हैं। नवंबर 2025 में एपेस्टीन फाइल ट्रांसपरेसी एक्ट पास हुआ। ट्रंप ने साइन किया। 19 दिसंबर 2000 25 तक सभी अनक्लासिफाइड फाइल्स रिलीज करने के लिए कहा गया। 19 दिसंबर को बड़ी रिलीज आने वाली है। लेकिन पीड़िताओं की प्राइवेसी और चाइल्ड अब्यूज मटेरियल विथ होल्ड हो सकता है। यानी जो नाबालिक रही जिनकी तस्वीरें हैं उन सब की पहचान उजागर नहीं की जाएगी। जेफरी एपस्टीन एक अमेरिकी फाइनेंसर और दूसरी यौन अपराधी था जो नाबालिक लड़कियों की यौन शोषण और तस्करी के आरोपों में शामिल था। 2019 में जेल में आत्महत्या कर ली। उसकी साथी घिसलेन मैक्सवेल को 2022 में 20 साल की सजा हुई। एपिस्टीन का प्राइवेट आइलैंड एपिस्टीन ने 1998 में यूएस वर्जिन आइसलैंड में लिटिल सेंट जेम्स नाम का प्राइवेट आइलैंड खरीदा। इसे पेडोफाइल आइलैंड या ऑर्गी आइलैंड भी कहते थे। कई पीड़िताओं जैसे वर्जिनिया ग्रिफे ने आरोप लगाया कि यहां नाबालिक लड़कियों का शोषण होता था और ताकतवर मेहमानों को आमंत्रित किया जाता था। आइलैंड पर लग्जरी विला, हेलीपैड और बाकी सुविधाएं थी। 2023 में दोनों आइलैंड्स बिक गए और रिसोर्ट बनने की वहां पर अब योजना है।

चेनाब नदी के जलप्रवाह को लेकर पाकिस्तान ने किया जल–विलाप

भारत का सख्त स्टैंड- पानी बहेगा लेकिन हमारी शर्तों पर

सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद पाकिस्तान एक बार फिर बौखलाया हुआ नजर आ रहा है। इस बार उसका रोना चेनाब नदी के जलप्रवाह को लेकर है। पाकिस्तान ने दावा किया है कि भारत द्वारा चेनाब के प्रवाह में अचानक बदलाव किया जा रहा है, जिससे उसकी कृषि, खाद्य सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान के सिंधु जल आयुक्त ने इस संबंध में भारत को पत्र लिखकर स्पष्टीकरण मांगा है। इस्लामाबाद के विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर हुसैन

अंद्राबी ने बयान जारी कर कहा कि चेनाब नदी में जलप्रवाह में आई असामान्य कमी ऐसे समय में हो रही है, जब पाकिस्तान का कृषि चक्र निर्णायक दौर में है। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी प्रकार के एकतरफा जल प्रबंधन से बचे और सिंधु जल संधि के प्रावधानों का पालन करे। हालांकि इस मामले में भारत की ओर से रुख बिल्कुल स्पष्ट है। अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में दो टूक कहा था कि "खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।" भारत का कहना है कि जब तक सीमा पार आतंकवाद जारी रहेगा, तब तक पाकिस्तान के साथ न तो बातचीत संभव है और न ही पुराने समझौतों को उसी भावना से निभाया जा सकता है। इस बीच, भारत जम्मू–कश्मीर में चेनाब नदी पर सावलकोट जलविद्युत परियोजना समेत कई योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहा है। 1,856 मेगावाट क्षमता वाली यह परियोजना पर्यावरणीय स्वीकृति भी प्राप्त कर चुकी है। भारत का तर्क है कि सिंधु जल संधि के तहत उसे पश्चिमी नदियों यानि सिंधु, झेलम और चेनाब पर गैर–उपभोगात्मक उपयोग, विशेषकर जलविद्युत उत्पादन का पूरा अधिकार है। दशकों तक इन नदियों का पानी लगभग बिना उपयोग के पाकिस्तान की ओर बहता रहा, जबकि भारत अपनी वैध क्षमता का एक छोटा हिस्सा ही इस्तेमाल कर सका। देखा जाये तो पानी अब दबाव का हथियार है और पाकिस्तान घबराया हुआ है। पाकिस्तान का यह विलाप दरअसल डर का शोर है। दशकों तक जिस सिंधु जल संधि को वह भारत के खिलाफ ढाल बनाकर इस्तेमाल करता रहा, आज उसी के निलंबन ने इस्लामाबाद की नींद उड़ा दी है। चेनाब के जलप्रवाह में अचानक बदलाव का आरोप कोई तकनीकी चिंता नहीं, बल्कि एक रणनीतिक घबराहट का संकेत है। 1960 की सिंधु जल संधि भारत की उदारता का स्मारक थी और उसकी रणनीतिक भूल भी। तीन पश्चिमी नदियाँ पाकिस्तान को सौंप दी गईं थीं जबकि भारत अपने ही भूभाग से बहने वाले पानी को लगभग देखता भर रहा। बदले में क्या मिला? आतंकवाद, घुसपैठ और कश्मीर में लहूलुहान होती जमीन। अब हालात बदले हैं। पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि का निलंबन स्पष्ट संदेश है कि रणनीतिक सहनशीलता की सीमा खत्म हो चुकी है। साथ ही सावलकोट जैसी परियोजनाएँ पाकिस्तान को इसलिए चुभ रही हैं क्योंकि वे भारत की जल–रणनीति का प्रतीक हैं। जम्मू–कश्मीर में कृषि को पानी मिलेगा, ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। यह विकास नहीं, बल्कि सामरिक सशक्तिकरण है। सामरिक दृष्टि से देखें तो पानी अब भारत के लिए केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं रहा, बल्कि दबाव का वैध उपकरण बन चुका है। बिना एक बूंद अवैध रूप से रोके, भारत केवल अपने अधिकारों का प्रयोग कर रहा है और यही पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा झटका है। उसकी खेती, उसकी राजनीति और उसकी स्थिरता, सब कुछ सिंधु प्रणाली पर निर्भर है। पाकिस्तान की समस्या यह है कि वह हर अंतरराष्ट्रीय समझौते को स्थायी सुरक्षा बीमा मान लेता है, चाहे उसका व्यवहार कितना ही आक्रामक क्यों न हो।

बांग्लादेश में भारत के 4 राजनयिकों पर हमला, मोदी सरकार ने उठाया ये कदम!

बांग्लादेश में बढ़ती अशांति के बीच भारतीय राजनयिक मिशनों पर रात भर हमले हुए। जुलाई विद्रोह के प्रमुख नेता शरीफ उस्मान हादी की मृत्यु के बाद बांग्लादेश में रात भर व्यापक अशांति फैली रही। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों की एक लहर देखी गई जो तेजी से हिंसा में तब्दील हो गई। ढाका, राजशाही और चटगांव में स्थित भारतीय मिशनों को निशाना बनाया गया और उनके द्वारों पर पत्थरबाजी की घटनाएं भी हुईं। हमलों में कोई भी भारतीय राजनयिक या अधिकारी घायल नहीं हुआ और सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं। ये हमले नई दिल्ली द्वारा ढाका से अपने दूतावासों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध किए जाने के कुछ ही दिनों बाद हुए हैं। भारत ने बुधवार को बांग्लादेश के राजदूत रियाज हामिदुल्लाह को तलब किया था और ढाका स्थित भारतीय दूतावास के आसपास असुरक्षा का माहौल पैदा करने की कुछ चरमपंथी तत्वों की योजनाओं पर अपना विरोध दर्ज कराया था। नई दिल्ली ने बांग्लादेश में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर भी अपनी गंभीर चिंता व्यक्त की थी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत बांग्लादेश में हाल ही में हुई कुछ घटनाओं के संबंध में चरमपंथी तत्वों द्वारा फैलाई जा रही झूठी कहानी को पूरी तरह से खारिज करता है। हामिदुल्लाह को तलब किए जाने के तुरंत बाद मंत्रालय ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि अंतरिम सरकार ने न तो गहन जांच की है और न ही इन घटनाओं के संबंध में भारत के साथ कोई ठोस सबूत साझा किए हैं।

आपदा की मार झेल रहे श्रीलंका को मिली बड़ी सहायता, पुनर्निर्माण फंड में जमा हुए 4.2 अरब रुपये

कोलंबो। चक्रवात दित्वाह से बुरी तरह प्रभावित श्रीलंका के पुनर्निर्माण के लिए बनाए गए श्रीबिल्ड श्रीलंका फंडश में अब तक 4.2 अरब श्रीलंकाई रुपये (एसएलआर) से ज्यादा की राशि जमा हो चुकी है। यह जानकारी वित्त मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। चक्रवात के बाद हालात को संभालने और दोबारा निर्माण के लिए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने इस फंड का गठन किया था। वित्त मंत्रालय के अधिकारी हर्षणा सुरियाप्पेरुमा ने बताया कि अब तक कुल एसएलआर 4286 मिलियन जमा हो चुके हैं। इसमें एसएलआर 4263 मिलियन सीधे बैंक खातों में जमा हुए हैं, जबकि एसएलआर 23 मिलियन विदेशी मुद्रा के रूप में मिले हैं। यह रकम अमेरिकी डॉलर में करीब 13.86 मिलियन के बराबर है। उन्होंने कहा कि केवल विदेशी मुद्रा में ही छह मिलियन डॉलर से ज्यादा की राशि प्राप्त हुई है। इस फंड में देश–विदेश के लोगों ने योगदान दिया है, जिनमें श्रीलंकाई उद्योगपति, कारोबारी संस्थान, सामाजिक संगठन, विदेशों में रहने वाले श्रीलंकाई नागरिक और शुभचिंतक शामिल हैं। सरकार को यह भी उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं जैसे विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक पुनर्निर्माण में मदद करेंगी।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।